A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 10 मई, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 210, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

पाकिस्तान इस तरह आतंक की पनाहगाह कैसे बना?

पंकज श्रीवास्तव

आखिर पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ कैसे बना? इस विश्लेषण में जानिए आईएसआई की भूमिका, धार्मिक कट्टरता और वैश्विक राजनीति ने किस तरह पाकिस्तान को चरमपंथ की शरणस्थली बना दिया। भारत और पाकिस्तान, कभी एक ही मिट्टी के हिस्से, आज़ादी की भोर में दो अलग-अलग रास्तों पर चल पड़े। भारत ने लोकतंत्र, सेक्युलरिज़्म और तरक्की को चुना, तो पाकिस्तान आतंक की आग में झुलस गया। सवाल यह है कि आखिर वह आधुनिक, सभ्य राष्ट्र बनने के बजाय आतंक का आका कैसे बन गया? इसका जवाब इतिहास, सियासत और उस गठजोड़ में छिपा है, जिसने पाकिस्तान को इस दलदल में धकेला।

2009 में भारत के पूर्व थलसेनाध्यक्ष जनरल दीपक कपूर ने खुलासा किया था कि पाकिस्तान में 43 आतंकी अड्डे सक्रिय हैं। ये अड्डे पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान सीमा, पीओके, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में फैले हैं। इन्हें पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई हथियार, प्रशिक्षण और फंडिंग देती है। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिज़बुल मुजाहिदीन और द रेज़िस्टेंस फ्रंट जैसे संगठन भारत विरोधी हिंसा के लिए कुख्यात हैं। ये संगठन 2008 के मुंबई हमले, 2019 के पुलवामा हमले और 2025 के पहलगाम हमले जैसे जघन्य कृत्यों के लिए ज़िम्मेदार हैं।

पाकिस्तान का आतंक से रिश्ता सिर्फ़ भारत तक सीमित नहीं। 2011 में अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन का एबटाबाद में मारा जाना इसका सबूत है। उसका ठिकाना पाकिस्तानी सैन्य अकादमी से महज़ एक किलोमीटर दूर था। 'ऑपरेशन नेप्च्यून स्पीयर' ने पाकिस्तान के दोहरे चरित्र को उजागर किया। 9/11 के बाद अमेरिका ने उसे आतंक के खिलाफ़ युद्ध में सहयोगी माना, लेकिन उसने तालिबान और अन्य आतंकी समूहों को पनाह दी।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चेतावनी: पाकिस्तान को आतंक का समर्थक मानने वाला भारत अकेला नहीं। संयुक्त राष्ट्र ने 2008 में लश्कर-ए-तैयबा और जमात-उद-दावा को आतंकी संगठन घोषित किया। 2017 में हाफिज सईद और 2019 में मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी करार दिया गया। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) ने 2018-2022 तक पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में रखा, क्योंकि वह आतंकी फंडिंग रोकने में नाकाम रहा। 2025 में पहलगाम हमले के बाद भारत ने फिर से पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डालने की माँग की। FATF की ग्रे लिस्ट ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को चरमरा दिया, 2023 में उसकी जीडीपी वृद्धि शून्य के करीब थी।

हाफिज सईद को 32 साल की सजा और आतंकी संगठनों की संपत्तियाँ ज़ब्त करने जैसी दिखावटी कार्रवाइयों के बाद उसे आईएमएफ़ से कर्ज मिला और 2025 में उसकी जीडीपी वृद्धि 3% तक पहुँची।

पाकिस्तानी नेताओं का कबूलनामा: पाकिस्तान के शीर्ष नेताओं ने भी आतंक से अपने रिश्ते को स्वीकार किया है। 25 अप्रैल 2025 को रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने स्काई न्यूज़ को बताया, 'पाकिस्तान पिछले तीन दशकों से आतंकी समूहों का समर्थन करता रहा है। यह ग़लती थी।' 2 मई को बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने भी कहा, 'पाकिस्तान का आतंकी समूहों के साथ अतीत रहा है।' ये बयान पाकिस्तान की नीतियों का नंगा सच हैं।

भारत विरोध की सनक: पाकिस्तान की भारत विरोधी नीति की जड़ें 1947 के बँटवारे में हैं। जिन्ना के द्विराष्ट्र सिद्धांत ने नफरत की नींव रखी। भारत और पाकिस्तान के पास तरक्की का समान मौका था, लेकिन जहाँ भारत ने लोकतंत्र और सेक्युलरिज़्म चुना, वहीं पाकिस्तान भारत को नुक़सान पहुँचाने की सनक में डूब गया। चार युद्ध–1947-48, 1965, 1971 और 1999 इसकी गवाही देते हैं। 1971 की हार ने पाकिस्तान को सबसे बड़ा झटका दिया। इसके बाद ISI ने प्रॉक्सी वॉर शुरू की, जिसका नतीजा कश्मीरी उग्रवाद है।

1971 के बाद जनरल ज़िया उल हक़ ने "Bleed India with a Thousand Cuts" की नीति अपनाई। इसका मकसद आतंकवाद और घुसपैठ से भारत को अस्थिर करना था। ज़िया ने पाकिस्तान का उग्र इस्लामीकरण किया, जिसने आतंकियों को वैचारिक आधार दिया। आज के आतंकी हमले इसी नीति का नतीजा हैं। लेकिन इसने पाकिस्तान को बदनामी, आर्थिक बदहाली और मुल्ला-मिलिट्री गठजोड़ की गुलामी दी।

पाकिस्तान को क्या मिला?: 78 सालों में पाकिस्तान ने 31 साल सैन्य तानाशाहों के अधीन बिताए। लोकतंत्र कमज़ोर रहा, ज़मींदारों और धार्मिक नेताओं का दबदबा कायम है। गरीब जनता को भारत विरोध का सपना दिखाकर बहलाया जाता है। दूसरी ओर, भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त पहचान बनाई। पाकिस्तान चाहता तो भारत के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कर सकता था, लेकिन नफरत की बुनियाद पर बना उसका सपना बबूल का पेड़ ही दे सका।

ऑपरेशन सिंदूर का सबक: 7 मई 2025 को विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। उनकी मौजूदगी ने पाकिस्तान के नापाक इरादों को उजागर किया और जिन्ना के द्विराष्ट्र सिद्धांत को खारिज किया। यह तस्वीर बताती है कि हिंदू और मुसलमान न सिर्फ साथ रह सकते हैं, बल्कि देश के लिए एक साथ जान भी दे सकते हैं।

पाकिस्तान के पास मौक़ा था कि वह तरक्की और तहज़ीब की मिसाल बनता। लेकिन उसने नफरत की राह चुनी। आज बलूचिस्तान अलग होने को मचल रहा है, और जिन्ना का द्विराष्ट्र सिद्धांत बांग्लादेश के जन्म के साथ ही दफन हो चुका। भारत ने संविधान को आधार बनाया, जबकि पाकिस्तान आतंक की राह पर चल पड़ा। सवाल यह है कि क्या वह अब भी सबक़ लेगा, या नफ़रत की आग में और झुलसेगा?

(सत्य हिंदी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

चंडीगढ़ और अंबाला में

हवाई हमले की वॉर्निंग

● ऑपरेशन सिंदूर के बीच सेना प्रमुख को मिली एक्स्ट्रा 'पॉवर' ● देश के सभी राज्यों को इमरजेंसी पावर्स के इस्तेमाल का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के हालात बने हुए हैं। देर रात पाकिस्तान भारत के विभिन्न स्थानों पर ड्रोन से हमले शुरु कर दिए थे। सभी ड्रोनो के मार गिराया था। चंडीगढ़ और अंबाला में शुक्रवार को हवाई हमले की चेतावनी दी गई है। चंडीगढ़ में सेना की वेस्टर्न कमांड है, एनआईए का भी दफ्तर है। अंबाला में एयरफोर्स स्टेशन मौजूद है। तनाव के बीच केंद्र सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है। इसमें कहा गया है कि सेना प्रमुख चाहें तो वे टेरिटोरियल आर्मी के अफसरों-जवानों को बुला सकते हैं। टीए अर्धसैनिक बल है, जो जरूरत पड़ने पर सेना की सहायता करती है। उधर, गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इमरजेंसी पावर का इस्तेमाल करने का आदेश दिया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नेवी चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और सीडीएस अनिल चौहान ने ताजा हालात की जानकारी दी। गृहमंत्री भी बीएसएफ, सीआईएसएफ के अफसरों के साथ मीटिंग की। उन्होंने भारत-पाकिस्तान बॉर्डर और एयरपोर्ट्स की सिक्योरिटी की जानकारी ली। कृषि मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय ने ने भी तैयारियों को लेकर मीटिंग की।

देर रात फिर पाकिस्तान ने ड्रोन से हमला शुरु कर दिया था

8 राज्यों के 29 एयरपोर्ट्स 10 मई तक बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान तनाव के बाद 8 राज्यों के 29 एयरपोर्ट्स को 10 मई तक बंद किया गया है। ये राज्य- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश हैं। इंडिगो एयरलाइंस ने 10 मई की रात 12 बजे तक श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, लेह, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर, जोधपुर, किशनगढ़ और राजकोट की सभी फ्लाइट्स को रद्द कर दिया है। श्रीनगर एयरपोर्ट पर हाई अलर्ट है। सिविल एविएशन डिपॉर्टमेंट ने नई एडवाइजरी जारी की है। अब पैसेंजर्स को डबल सुरक्षा जांच से गुजरना होगा।

पठानकोट में सर्च ऑपरेशन, बठिंडा में पाकिस्तानी राकेट के टुकड़े गिरे

पठानकोट में देर रात हमले के बाद एयरबेस के पास पुलिस ने शुक्रवार सुबह सर्च ऑपरेशन चलाया है। इस दौरान नदी के किनारे बम मिला। जिसके बाद सेना ने इलाका खाली करा दिया। इसके साथ गांव करोली के पास ड्रोन मिला। सेना ने इसे कब्जे में ले लिया है। यहां सुबह साढ़े 4 बजे भी 3-4 धमाकों की आवाज सुनाई दी थी। गुरुवार रात हुए हमले

के बाद बठिंडा में बीड़ तलाब और नथाना ब्लॉक के गांव तुंगवाली में खेतों में पाकिस्तानी रॉकेट के टुकड़े गिरे मिले। श्रीगंगानगर में शुक्रवार से शाम 7 बजे तक बाजार बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों को पूरी तरह से ब्लैक आउट करने के लिए कहा है। घरों की खिड़कियों-दरवाजों को भी ढकने के लिए कहा गया है, ताकि कोई रोशनी नहीं दिखे। जैसलमेर में शुक्रवार से बाजार शाम 5 बजे से ही बंद हो गए हैं। ब्लैकआउट 12 घंटे रहेगा, जो शाम 6 बजे से शुरू होगा। रात में शादी न करें। जिले के रामदेवरा क्षेत्र में शुक्रवार शाम 4 बजे से सभी दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान, धर्मशालाएं और गोदाम बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

तनाव के बीच आईपीएल एक सप्ताह के लिए टला

नया शेड्यूल 7 दिन बाद जारी होगा, विदेशी खिलाड़ियों को अपने देश लौटने के लिए कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े टकराव के कारण बीसीसीआई ने आईपीएल को एक सप्ताह के लिए टाल दिया है। इसकी जानकारी उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने शुक्रवार को दी। उन्होंने कहा, यह अभी एक सप्ताह के लिए

टाल दिया गया है। नया शेड्यूल एक सप्ताह के बाद जारी होगा। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी विदेशी खिलाड़ियों को अपने देश लौटने के लिए कहा गया है। नई तारीखें आने पर उन्हें सूचित किया जाएगा। अभी आईपीएल के 12 लीग मैच और 4 प्लेऑफ के मुकाबले बाकी हैं। टूर्नामेंट का फाइनल 25 मई को होना था। माना जा रहा है कि अगस्त में होने वाला भारत का बांग्लादेश दौरा रद्द किया जाएगा।

सुप्रभात

बरा ए शौक हमने चक्खा है
शराब ए इश्क़ में क्या रक्खा है
इक तेरे दीद की खातिर तो
हमने हथेली पे दम रक्खा है
कभी आओगे तुम चुकाओगे
हमने लिखकर उधार रक्खा है
तुम कि जिल्द से उधड़ते हो
हमने पन्नों को बॉध रक्खा है
जुलूस सड़कों को थर्राते हैं
हमने रुह में राम रक्खा है
खुदा इस हाल के लिए तूने
क्या मुझे बेनियाज़ रक्खा है
बेड़ियाँ भी बेचैन करतीं नहीं
उन्हें गहना जो मान रक्खा है
मुस्कराहट एक फरेब वहाँ
जिन्हें रहनुमा मान रक्खा है।

– विवेक चतुर्वेदी

सीएम ने उच्चस्तरीय बैठक में दिए अहम निर्देश

नागरिक सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● मप्र में सरकारी कर्मचारियों व पुलिस कर्मियों की छुट्टी कैंसिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा हमारा परम धर्म है और ताज़ा हालातों को देखते हुए सभी नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि जरूरी नागरिक सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए, सभी विभाग अपनी-अपनी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करें और सुरक्षा के सभी आवश्यक ऐहतियाती कदम तत्काल प्रभाव से लागू किए जाएं।

भारत-पाक में जंग के हालातों को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने सभी सरकारी कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी है। वहीं छुट्टी पर गए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को लौटने को कहा है। इसे लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें साफ कहा कि परिस्थितियां सामान्य होने तक नागरिक सुविधाओं की सहज आपूर्ति से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी और फील्ड में पदस्थ कर्मचारी अवकाश पर न जाएं। इसके बाद डीजीपी ने एडीजी, आईजी, डीआईजी और एसपी की बैठक ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि राष्ट्र विरोधी किसी भी प्रचार पर सख्ती से अंकुश लगाया जाए। नागरिकों को अफवाहों पर ध्यान न देने की लिए प्रेरित और सूचित करें। केंद्रीय और राज्य सरकार के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की चहुंओर सुरक्षा पर अत्यंत विशेष ध्यान दिया जाये। आपदा प्रबंधन के सभी उपाय एवं आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य, अग्निशमन सेवाओं को और मजबूत कर लें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की अद्यतन सुरक्षा व्यवस्थाओं, नागरिक सुविधाओं की स्थिति और विभागीय समन्वय की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आपसी तालमेल को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। यह भी कहा कि किन्हीं भी आपातकालीन परिस्थितियों के लिए सभी विभाग तत्परता और सजगता के साथ तैयार रहें। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां सामान्य होने तक नागरिक सुविधाओं की सहज आपूर्ति से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी और फील्ड अमला अवकाश पर न जाये। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोटिया, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय एवं जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, डीजी होमगार्ड श्री अरविंद कुमार, एडीजी गुप्तवार्ता श्री ए. साईं मनोहर, सैन्य अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

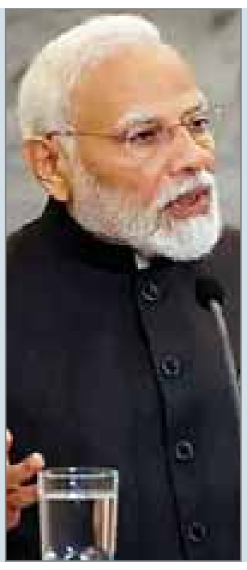

यह तो बस शुरुआत...लंबे समय के लिए रहें तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सरकारी विभागों को आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने, संचार में व्यवधान को रोकने, दहशत को दूर करने और आकस्मिकताओं से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। सरकारी विभागों के साथ बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का यही संदेश था कि लंबे समय के लिए तैयार रहें। पीएम ने विभागों को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों और घबराहट में खरीददारी पर कड़ी नजर रखने और किसी भी 'फर्जी खबर' को नकारने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जहां से छोड़ा था, वहीं से अपनी बात शुरू की, जहां एक सूत्र ने उनके हवाले से सहकर्मियों से कहा 'यह तो बस शुरुआत है'। मंत्रिमंडल की बैठक भारत द्वारा पाकिस्तान और पीओके में आतंकी शिविरों पर सटीक हमले करने के ठीक बाद हुई थी। लगभग 20 सचिवों की एक बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे उनके निर्देशों को पूरा करने के लिए पहल करने के लिए स्वतंत्र हैं, जिसमें महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा शामिल है। पीएमओ की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशनल निरंतरता और संस्थागत लचीलेपन को बनाए रखने के लिए मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी का बड़ा इशारा

प्रधानमंत्री ने साइबर अटैक से बचाव पर दिया जोर

सचिवों को अपने-अपने मंत्रालयों और विभागों के संचालन की व्यापक समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है, ताकि यह देखा जा सके कि आवश्यक प्रणालियों के कामकाज में कोई गड़बड़ी न हो और उन्हें किसी भी साइबर हमले से बचाया जा सके। परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी, उपभोक्ता मामलों के विभागों के सचिवों के साथ-साथ बुनियादी ढांचा क्षेत्र के सचिव भी इस बैठक में शामिल हुए। सूत्रों ने बताया कि प्रत्येक सचिव को किसी भी संकट से निपटने के लिए मौजूद प्रणालियों के बारे में बोलने के लिए कुछ मिनट दिए गए।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे
इंदौर ■ शनिवार, 10 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

पाकिस्तानी संसद में उबाल, शहबाज की गीदड़ से की तुलना

भारत ने घर में घुसकर मारा तो बेकाबू हो गए पाक सांसद

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पहले पाकिस्तान का हमला नाकाम करना और फिर पाकिस्तानी शहरों तक जाकर हमला करना, भारत ने 6-7 मई की दरमियानी रात जो किया है, उससे पाकिस्तान में बौखलाहट छाई हुई है। भारत से बार-बार पिटने के बाद पाकिस्तान के

प्रधानमंत्री अब अपनों के निशाने पर आ गए हैं। पाकिस्तान की संसद में शहबाज शरीफ की तुलना गीदड़ से की जा रही है। उन्हें बुजदिल कहा जा रहा है। ये सब शुक्रवार को हुआ, जब कुछ घंटे पहले ही सुबह तड़के भारत से भेजे गए ड्रोन ने पाकिस्तान के इस्लामाबाद, लाहौर, सियालकोट समेत कई शहरों को निशाना बनाया।

देश का स्वाभिमान- मनोबल हाई, हम सब सेना के साथ

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले आरएसएस चीफ मोहन भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए सरकार की सराहना की और कहा कि पाकिस्तान के अंदर हमले भारत की सुरक्षा के लिए आवश्यक थे। उन्होंने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर की वजह देश का जोश और

स्वाभिमान में इजाफा हुआ है। संघ की ओर से जारी आधिकारिक बयान में भागवत ने कहा कि हम पहलगाम में निहत्थे पर्यटकों पर कायरतापूर्ण हमले के बाद पाक प्रायोजित आतंकवादियों और उनके समर्थक तंत्र के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए केंद्र सरकार के नेतृत्व और हमारे सशस्त्र बलों को बधाई देते हैं। हिंदू पर्यटकों के क्रूर नरसंहार में पीड़ित परिवारों और पूरे देश को न्याय दिलाने की इस कार्रवाई ने पूरे देश के स्वाभिमान और मनोबल को बढ़ाया है।

टीएन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने की मांग खारिज

सुप्रीम कोर्ट बोला- हम राज्य को मजबूर नहीं कर सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने का निर्देश देने के लिए दायर की

गई याचिका को खारिज कर दी। इसमें त्रि-भाषा सूत्र भी शामिल था। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि कोर्ट, संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत, किसी भी राज्य को राष्ट्रीय शिक्षा नीति अपनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है।

कायर पाकिस्तान नागरिक विमानों को बना रहा है ढाल

● भारत जवाबी हमला न कर सके इसलिए अपने एयरस्पेस में विमान उड़ने दिए ● कर्नल सोफिया बोलीं-एलओसी पर गोलीबारी,तुर्की के ड्रोन से किया हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक ओर जहां भारत ने पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकी ठिकानों का खात्मा किया तो वहीं पाकिस्तान लगातार भारत में सैन्य ठिकानों और रिहायशी इलाकों में अटैक कर रहा है। कल रात भी पाकिस्तान ने भारत के 36 शहरों पर हमला करने की कोशिश की। इसे भारत के डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। पाकिस्तान ने हमले में तुर्की के ड्रोन का इस्तेमाल किया। विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नल सोफिया कुरैशी ने खुलासा किया कि पाकिस्तान ने भारत के कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की साजिश रची थी। पाकिस्तानी सेना ने तुर्की निर्मित ड्रोन और मिसाइलों की मदद से 7 और 8 मई की रात को पश्चिमी सीमा पर भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय सशस्त्र बलों ने सभी हमलों को नाकाम कर दिया।

एलओसी पर भारी कैलिबर के हथियारों से गोलीबारी

कर्नल कुरैशी ने बताया कि 8 और 9 मई की मध्यरात्रि में पाकिस्तानी सेना ने लेह से लेकर सर क्रीक तक फैली पश्चिमी सीमाओं पर ड्रोन के जरिए घुसपैठ की कोशिश की। इसके साथ ही, नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारी कैलिबर के हथियारों से गोलीबारी भी की गई। उन्होंने कहा,पाकिस्तान ने भारतीय हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करते हुए सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का प्रयास किया। लगभग 300 से 400 ड्रोन का उपयोग कर 36 स्थानों पर घुसपैठ की कोशिश की गई। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने गतिज और गैर-गतिज साधनों का उपयोग कर इन ड्रोनों को मार गिराया।

पाकिस्तान नागरिक विमान को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा

विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा, ...पाकिस्तान ने 7 मई को शाम 08.30 बजे एक असफल अकारण ड्रोन और मिसाइल हमला करने के बावजूद अपना नागरिक हवाई क्षेत्र बंद नहीं किया। हमारे घोषित बंद के कारण भारतीय पक्ष का हवाई क्षेत्र नागरिक हवाई यातायात से पूरी तरह से रहित है। हालांकि, कराची और लाहौर के बीच हवाई मार्ग पर नागरिक एयरलाइनें उड़ान भर रही हैं। पाकिस्तान नागरिक विमान को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि भारत पर उसके हमले से भारत की वायु रक्षा प्रतिक्रिया तीव्र होगी...भारतीय वायु सेना ने अपनी प्रतिक्रिया में काफी संयम दिखाया, जिससे अंतरराष्ट्रीय नागरिक वाहकों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।
विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, पाकिस्तान द्वारा कल रात की गई ये भड़काऊ और आक्रामक कार्रवाइयां भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचे के अलावा सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर की गईं। भारतीय सशस्त्र बलों ने आनुपातिक, पर्याप्त और जिम्मेदारी से जवाब दिया... पाकिस्तान द्वारा किए गए इन हमलों का पाकिस्तानी राज्य मशीनरी द्वारा आधिकारिक और स्पष्ट रूप से हास्यास्पद खंडन उनके कपट और नई गहराई का एक और उदाहरण है, जिस तक वे पहुंच रहे हैं। विक्रम मिस्री ने कहा, अपनी हरकतों को स्वीकार करने के बजाय, पाकिस्तान ने यह बेतुका और अपमानजनक दावा किया कि यह भारतीय सशस्त्र बल हैं जो अमृतसर जैसे अपने ही शहरों को निशाना बना रहे हैं और पाकिस्तान पर दोष मढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। जैसा कि उनके इतिहास से पता चलता है, वे ऐसी हरकतों में पारंगत हैं... पाकिस्तान ने गलत सूचना फैलाई कि भारत ने ड्रोन हमले के जरिए नानकम साहिब गुरुद्वारे को निशाना बनाया, जो एक और सरासर झूठ है... पाकिस्तान सांप्रदायिक विवाद पैदा करने के इरादे से स्थिति को सांप्रदायिक रंग देने की पूरी कोशिश कर रहा है।

राजधानी इस्लामाबाद, लाहौर व सियालकोट, हर ओर 'हाहाकार'

भारत के हमलों से पाकिस्तान के इन शहरों में आई तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने जबर्दस्त कार्रवाई की है। भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद भी नहीं बच पाई। इसके साथ ही लाहौर, सियालकोट और रावलपिंडी को भी भारतीय सेना ने निशाना बनाया है। वहीं, भारतीय शहरों पर पाकिस्तान के असफल हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर, जम्मू और राजौरी, पंजाब में अमृतसर और जालंधर, गुजरात में भुज और सीमा से सटे अन्य प्रमुख क्षेत्रों में ब्लैकआउट लगा दिया गया। पाकिस्तान के उकसावे पर भारत ने करारा जवाब देते हुए सुबह तड़के सैन्य कार्रवाई शुरू की। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर वायु रक्षा रेडार और प्रणालियों को निशाना बनाया और लाहौर में एक वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया। पाकिस्तान ने यह नापाक हरकत ऐसे समय की है जब भारतीय बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पीओके में कार्रवाई की है।

● **लाहौर में सेना की छावनी पर गिरे चार ड्रोन-** इस्लामाबाद में पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने लाहौर, गुजरांवाला, चकवाल, बहावलपुर, मियानो, कराची, छोर, रावलपिंडी और अटक में भारतीय ड्रोन हमलों की बात कही है। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों को निष्प्रभावी कर दिया गया। उन्होंने बताया कि लाहौर के पास एक ड्रोन गिर गया और हमले में चार सैनिक घायल हो गए। हमले में तीन नागरिकों की मौत हुई है। एक अधिकारी ने 'एजेंसी' को बताया कि कम से कम चार ड्रोन लाहौर छावनी क्षेत्र में गिरे।

एस 400-आकाश ने पाक ड्रोन्स को किया तबाह

● जम्मू-कश्मीर में अब तक 17 लोगों की हो गई मौत

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में जम्मू, पठानकोट सहित 11 इलाकों में गुरुवार रात पाकिस्तान की ओर से 100 से ज्यादा ड्रोन, मिसाइलों से हमला किया गया। हालांकि, मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस 400 और आकाश ने हमले को नाकाम कर दिया। जवाबी कार्रवाई करते हुए सांबा इंटरनेशनल बॉर्डर में बीएसएफ ने 7 आतंकियों को मार गिराया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा सेना के जवानों से मिलने उरी पहुंचे हैं। सीएम उमर अब्दुल्ला में घायलों से मुलाकात की है। वहीं, पाकिस्तान की ओर से एलओसी पर कुपवाड़ा, उरी, आरएसपुरा, बारामूला सहित कई सेक्टरों में लगातार गोलीबारी के साथ बमबारी भी जारी है, कई जगहों पर मिसाइल दागे जाने की खबर भी है। इन हमलों में अब तक 17 लोगों की जान चले गई है, वहीं 50 से ज्यादा लोग घायल हैं। 7 मई की रात से शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर हाई अलर्ट पर है। बीती रात पाकिस्तान ने एलओसी और इंटरनेशनल बॉर्डर के पास कई इलाकों में ड्रोन भेजने की नाकाम कोशिश की।

अपराधों की जांच में आएगी तेजी

आदेश जारी होने के 15 दिन बाद ही अस्तित्व में आई यूनिट, हर जोन की यूनिट डीसीपी को करेगी रिपोर्ट

भोपाल (नप्र)। शहर में गंभीर अपराधों की फॉरेंसिक जांच में तेजी आएगी। भोपाल के चार जोन वाइज एफएसएल यूनिट टीमें तैयार हो गई हैं। इन टीमों का फोकस अपने-अपने जोन पर रहेगा। अब तक शहर में एक मोबाइल यूनिट पर यह जिम्मेदारी थी। चार यूनिट होने से सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि रिस्पांस टाइम कम होगा। आदेश जारी होने के 15 दिन बाद ये यूनिट अस्तित्व में आ गई हैं।

पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने बताया कि सभी यूनिट डीसीपी को रिपोर्ट करेंगी। प्रत्येक यूनिट में एक वैज्ञानिक और तीन सहयोगी दिए गए हैं। नए कानून में फॉरेंसिक जांच पर ज्यादा फोकस है। चार यूनिट तेजी से गंभीर अपराधों की जांच करेंगी और इसका असर कन्विक्शन रेट पर दिखाई देगा। ये टीमें एविडेंस कलेक्शन और सैंपलिंग के काम में तेजी लाएंगी।

हर जोन की एफएसएल यूनिट होने से ये तीन बड़े फायदे होंगे

1. रिस्पांस टाइम कम होगाः अब तक एक एफएसएल यूनिट पूरे शहर में दौड़ती थी। चार यूनिट से वर्क लोड कम होगा। टीम समय पर घटनास्थल पहुंच सकेगी। घटनास्थल पर पुलिस को इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

2. जांच में तेजी आएगीः भोपाल में रोजाना 4 से 5 ऐसे मामले आते हैं जिनमें एफएसएल यूनिट की जरूरत होती है। कई बार ऐसे मौके आए जब एक ही टीम को तीन या इससे ज्यादा जगह जाना पड़ा। इससे जांच में देरी हुई। अब ऐसा नहीं होगा। सभी टीमें अपने जोन में सक्रिय रहेंगी।

3. जांच रिपोर्ट समय परः एविडेंस कलेक्शन और सैंपलिंग का काम समय पर पूरा होगा। इससे जांच रिपोर्ट समय पर आने की संभावना ज्यादा रहेगी।

एक-दूसरे की मदद ले सकेंगे- कई बार एक ही जोन में एक या इससे ज्यादा गंभीर घटनाएं होती हैं। ऐसे में वे दूसरे जोन की एफएसएल यूनिट की मदद ले सकेंगे। बता दें, नए कानून में 7 वर्ष और इससे ज्यादा साल की सजा वाले अपराधों की जांच के लिए फॉरेंसिक जांच अनिवार्य की गई है। नाबालिगों की आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए भी एफएसएल जांच होती है। कई बार चोरी के बड़े मामलों की जांच के लिए भी एफएसएल टीम का सहयोग लिया जाता है।

भोपाल में अलर्ट, हर चौराहे पर मुस्तैदी

एयरपोर्ट और वीआईपी इलाकों समेत 30 जगहों पर पुलिस पॉइंट, देर रात दिखे हर वाहन की चेकिंग

भोपाल (नप्र)। पाकिस्तान से तनाव के बीच राजधानी में रात 12 बजे अलर्ट कर दिया गया। एयरपोर्ट सहित शहर के 30 पॉइंट पर पुलिस बल तैनात किया गया है। शहर के प्रमुख चौराहे, वीवीआईपी इलाकों को कवर किया गया है। यह जवान हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। शहर के एंट्री पॉइंट पर चेकिंग शुरू कर दी गई। शहर में प्रवेश करने वाले हर वाहन की तलाशी ली गई।

पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने बताया कि संदेह होने पर संबंधित व्यक्ति की चेकिंग की जा रही है। जरूरत पड़ने पर पूछताछ भी की जा सकती है। वहीं, पुलिस कंट्रोल रूम में बैठे जवान सीसीटीवी कैमरों के जरिए हर स्थिति पर निगाह बनाए हैं। इससे पहले गुरुवार देर शाम पुलिस अधिकारियों की एक बैठक भी हुई। इसमें आगे की रणनीति पर चर्चा हुई।

हर चौराहे पर मुस्तैदी- एयरपोर्ट पर गाड़ी के अंदर सामान तक की जांच की गई।

हर गतिविधि पर नजर- शहर पुलिस ने गुरुवार शाम बैठक में शहर के वीआईपी, व्यस्ततम और संवेदनशील इलाकों और चौराहों को चिह्नित किया। रात 11 बजते-बजते लगभग हर चौराहे पर 4 से 5 पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया। एयरपोर्ट रोड पर पुलिस ने आने-जाने वाले हर वाहन को रोककर चेकिंग की। रेलवे स्टेशन और बस अड्डों जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

ब्लैक आउट में लाइट बंद नहीं करने वाले चिह्नित, समझाइश देगी पुलिस- बुधवार को हुई ब्लैक आउट मॉक ड्रिल में कई कमियां सामने आई थीं। पुलिस ऐसे लोगों को चिह्नित कर रही है, जिन्होंने ब्लैक आउट में लाइट बंद नहीं की। इस मॉक ड्रिल के समय पुलिस ने 34 थानों के बल को अलग-अलग जगह तैनात किया था।

मुरैना में घर के छज्जे पर रखे पटाखों में धमाका, छत उड़ी, दीवारें ढहीं

मुरैना (नप्र)। मुरैना के जौरा कस्बे के एक मकान में ब्लास्ट हो गया। जिससे मकान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। दीवारें और छत ढह गई। आसपास के कई मकानों में भी दरारें पड़ गई है।

घटना शुक्रवार शाम करीब 4 बजे शहर के इस्लामपुरा मोहल्ले की है। बताया जा रहा है कि यहां एक खाली मकान के छज्जे पर पटाखे रखे थे। इनके फूटने की वजह से हादसा हुआ।धमाके की आवाज सुनकर इलाके में हड़कंप मच गया। तत्काल फायर ब्रिगेड की टीम को मौके पर बुलाया गया। अच्छी बात ये रही कि हादसे में कोई भी शख्स घायल नहीं हुआ है। जिस मकान में धमाका हुआ, वह अशोक पिता गरीब खां का है। अशोक कुछ समय से उस मकान में नहीं रहकर ठीक सामने वाले मकान में रह रहे है। स्थानीय लोगों के अनुसार

पुराने मकान के छज्जे पर काफी समय से पटाखे रखे हुए थे। तेज गर्मी और धूप के कारण उनमें अचानक आग लग गई, जिससे जोरदार धमाका हुआ।

लोगों में दहशत, जांच शुरू- धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन घटना के बाद मोहल्ले में दहशत का माहौल है। आसपास के कई मकानों में दरार पड़ गई है।

मौके पर पहुंच गई थी फायर ब्रिगेड- फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि मकान में पटाखे किस उद्देश्य से रखे गए थे और क्या इसके लिए आवश्यक अनुमति ली गई थी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की।

जौरा क्षेत्र के एसडीओपी नितिन बघेल का कहना है किमकान खाली था। इस ब्लास्ट से कोई जनहानि नहीं हुई है। फायर ब्रिगेड को बुलाया है। आग बुझाई जा रही है। मामले की जांच कर रहे हैं।

ब्राह्मण बनकर शादी की, पत्नी से कहा- बुर्का पहनो

जबरदस्ती रोजा रखवाने लगा, मूर्तियां फेंकी, इंदौर में क्रिश्चियन एमिनेंट कॉलेज चेयरमैन का लव जिहाद

इंदौर (नप्र)। इंदौर शहर के क्रिश्चियन एमिनेंट कालेज के चेयरमैन समीर मीर पर धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम (लव जिहाद) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। उस पर खुद को ब्राह्मण बोलकर हिंदू महिला से शादी करने और फिर मतांतरण की धमकी देने का आरोप है। समीर जबरदस्ती बुर्का पहने और रोजा रखने के लिए भी दबाव बनाता था। तुलसी नगर निवासी युवती से समीर ने साल 2006 में शादी की थी। उसकी एक बेटी और एक बेटा भी है। महिला ने गुरुवार को एमआइजी थाना पुलिस को लिखित शिकायत कर बताया कि समीर ने उसके साथ धोखा किया है। उसने शादी के वक्त ब्राह्मण (हिंदू) बताया था। हिंदू रीति रिवाज से ही शादी की थी।

2010 में बेटा और 2013 में बेटी का जन्म हुआ था। करीब चार साल पूर्व समीर का बर्ताव बदलने लगा। उसने पहनावा भी बदला और नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद जाने लगा। उसी वक्त पता चला कि समीर का असली नाम समीर मीर है और वह मुसलमान है। सच्चाई उजागर होने पर समीर ने पीड़िता को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उसने कहा कि तुमको भी बुर्का पहनना पड़ेगा। मंदिर में रखी मूर्तियां भी फेंक दीं। बच्चों पर भी रोजा रखने और नमाज पढ़ने का दबाव बनाने लगा। 2020 में समीर ने बच्चों के साथ पीड़िता को घर से निकाल दिया। इसके बाद निपानिया क्षेत्र में रहने लगी। बीच-बीच में समीर मिलने आता था और इस्लाम स्वीकारने के लिए कहता था। 2024 में समीर की मां और भाई समर समझा बुझा-कर घर ले आए। लेकिन दूसरे दिन समीर ने इस्लाम कबूलने की शर्त रख दी। इसके बाद फिर पीड़िता निपानिया में रहने लगी।

महिला लीग में इस बार भोपाल की भी टीम

मध्यप्रदेश क्रिकेट लीग 27 मई से, इस बार महिला टूर्नामेंट भी

इंदौर (एजेंसी)। मप्र के स्थानीय टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट मप्र लीग (एमपीएल) का दूसरा सीजन 27 मई से इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा। पिछले साल 5 टीमों के साथ हुई पुरुष लीग में भी इस बार बुंदेलखंड व चंबल क्षेत्र की दो नई टीमों की एंट्री हुई है। लीग में पहली बार महिला क्रिकेट लीग भी शामिल की जा रही है। इसमें 3 महिला टीमें उतरेंगी-भोपाल वोल्व्स, चंबल घड़ियाल्स और बुंदेलखंड बुल्स। महिला-पुरुष दोनों लीग के मुकाबले साथ-साथ खेले जाएंगे। यह लीग ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन और मप्र क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित हो रही है। पिछले साल रजत पाटीदार, वेंकटेश अय्यर जैसे मप्र के स्टार खिलाड़ी लीग का हिस्सा थे।

सभी मैच होलकर स्टेडियम में- सभी मुकाबले होलकर स्टेडियम में खेले जाएंगे और दर्शकों के लिए एंट्री फ्री रहेगी। महिला टीमों के लिए जल्द चयन ट्रायल होंगे। एमपीएल का आयोजन बीसीसीआई फॉर्मेट पर आधारित रहेगा, जिसमें लीग स्टेज के बाद नॉकआउट मुकाबले होंगे। पुरुष वर्ग में ये 7 टीमें: ग्वालियर चीता, भोपाल लेपर्ड्स, जबलपुर रॉयल लॉयंस, रीवा जैगुआर्स, इंदौर पिंक पैंथर्स, चंबल घड़ियाल्स, बुंदेलखंड बुल्स।

भस्म आरती दर्शन

भगवान महाकाल के मस्तक पर रजत त्रिशूल और त्रिपुण्ड के साथ आभूषण अर्पित कर श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शुक्रवार तड़के भस्म आरती के दौरान मंदिर के कपाट खोले गए।

सबसे पहले सभा मंडप में वीरभद्र जी के कान में स्वस्ति वाचन कर घंटी बजाकर भगवान से आज्ञा लेकर सभा मंडप वाले चांदी के पट खोला गया। गर्भगृह के पट खोलकर पुजारी भगवान का श्रृंगार उतार कर पंचामृत पूजन के बाद कर्पूर आरती की। नंदी हाल में नंदी जी का स्नान,ध्यान, पूजन किया गया। जल से भगवान महाकाल का अभिषेक करने के पश्चात दूध, दही, घी, शक्कर, शहद फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। भगवान महाकाल का रजत, चंद्र, त्रिशूल, मुकुट और आभूषण अर्पित कर श्रृंगार किया। भांग चन्दन ड्रायफ्रूट और भस्म चढ़ाई गई। शेषनाग का रजत मुकुट रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ सुगन्धित पुष्प से बनी फूलों की माला भगवान महाकाल ने धारण की। फल और मिष्ठान का भोग लगाया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। मान्यता है की भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते है।

इंदौर एयरपोर्ट पर डबल सिक्योरिटी चैकिंग शुरू

एयरपोर्ट में एंट्री के समय गाड़ियों की भी हो रही चैकिंग

इंदौर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच जंग जैसे हालात के कारण इंदौर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। इंदौर के देवी अहिल्या बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षा के लिहाज से सीआईएसएफ ने कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। एयरपोर्ट पर डबल सिक्योरिटी चेक शुरू हो गया है। वहीं एयरपोर्ट में एंटर करने वाली गाड़ियों की चैकिंग एंट्री गेट के बाहर लोकल पुलिस कर रही है। यात्रियों की दो बार चैकिंग की जा रही है। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार सीआईएसएफ अब 24 घंटे एयरपोर्ट की बाउंड्रीवॉल की चैकिंग कर रही है। पहले सिर्फ रात में चैकिंग की जाती थी, जो दिन में भी शुरू कर दी है। इंदौर से आने-जाने वाली सभी फ्लाइट अपने तय समय पर संचालित हो रही हैं। देश के जिन एयरपोर्ट को अस्थाई रूप से बंद किया गया है, सिर्फ वहीं की फ्लाइट कैंसिल की गई हैं।

4 मंजिला इमारत की छत से कूदी युवती, मौत

जॉब छोड़ यूपीएससी की तैयारी कर रही थी, कुछ देर पहले दोस्त मिलकर गया था

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में एक युवती ने चार मंजिला इमारत की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। वह बिल्डिंग के तीसरे माले पर फ्लैट नंबर 301 में किराये से रहती थी। चौकीदार ने बिल्डिंग में रहने वाले लोगों को इसकी जानकारी दी। फिर सभी उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला एलआईजी इलाके में गुरुवार रात करीब 11 बजे का है। युवती की पहचान प्रमिता गढ़वाल (25) के रूप में हुई है। बिल्डिंग के रहवासियों के मुताबिक, कूदने से पहले काफी देर तक प्रमिता छत पर अकेली बैठी थी। वह नशे में थी। इससे पहले उसका एक दोस्त मिलने आया था। पुलिस ने बताया कि घटना थाने के पीछे जे-9 बिल्डिंग की है। बिल्डिंग 1 साल पहले ही बनी है। तभी से प्रमिता यहां सोलम जेम्स के फ्लैट में किराए से रह रही थी।

प्रमिता

चौकीदार की पत्नी को आवाज आई, नीचे पड़ी दिखी प्रमिता

पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग की छत पर चौकीदार आनंद का परिवार भी रहता है। उसकी पत्नी अपने कमरे में थी। फ्लैट नंबर 203 में रहने वाली रेशमा भी छत पर मोबाइल से बात कर रही थी। वहीं प्रमिता भी बैठी थी। कुछ देर बाद चौकीदार की पत्नी को आवाज आई। उसने देखा तो प्रमिता छत पर नहीं दिखी। उसने चौकीदार आनंद को कॉल किया। चौकीदार ने देखा तो प्रमिता जमीन पर पड़ी थी। आसपास खून बह रहा था।

सुसाइड से पहले पिता से कॉल पर बात की

पुलिस के मुताबिक प्रमिता ने सुसाइड करने से पहले रात करीब साढ़े 8 बजे पिता से बात की थी। उस समय वह तनाव में थी पर पिता को पता नहीं चला। वह सामान्य बातें कर रही थी। प्रमिता के पिता वीतरंग गढ़वाल निजी कंपनी में काम करते हैं। देर रात बेटी के मोबाइल से ही पुलिस ने उन्हें जानकारी दी।

जॉब छोड़कर यूपीएससी की तैयारी कर रही थी

पुलिस ने कहा- बिल्डिंग के लोगों ने पूछताछ में बताया कि कुछ समय पहले प्रमिता ने निजी कंपनी की जॉब छोड़ी थी। वह यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। प्रमिता से उसका दोस्त तन्मय अक्सर मिलने आता था। वह गुरुवार को भी अपनी एसयूवी कार से प्रमिता से मिलने आया था। करीब 5 बजे वापस चला गया था।

दोस्त तन्मय की जानकारी जुटा रही पुलिस- एसीपी सोनू डाबर ने कहा- प्रमिता उमरिया जिले की रहने वाली थी। उसके परिवार से संपर्क किया गया है। तन्मय की जानकारी जुटाई जा रही है। अभी घटना के पीछे किसी तरह का कारण सामने नहीं आया है।

भट्टी से सिलेंडर तक फैली आग, रेस्टोरेंट खाक

बुझाने में दो कर्मचारी झुलसे, फायर बिग्रेड की दो गाड़ियों ने पाया काबू

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एमआईजी थाना क्षेत्र स्थित पाटनीपुरा इलाके में शुक्रवार दोपहर एक रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। बनारसी तड़का नामक इस रेस्टोरेंट में भट्टी से उठी लपटें सीधे गैस सिलेंडर की नली तक जा पहुंचीं, जिससे आग तेजी से फैल गई।

आग बुझाने की कोशिश में दो कर्मचारी झुलस गए, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पूरा रेस्टोरेंट जलकर खाक हो चुका था। रेस्टोरेंट संचालक अमन गुप्ता के मुताबिक, दोपहर के समय रसोई में अचानक भट्टी में आग भड़क गई। लपटें इतनी तेज थीं कि उन्होंने पास रखे सिलेंडर की पाइप को भी चपेट में ले लिया। इस दौरान वहां मौजूद कर्मचारी सन्नी पांचाल और राजू पांचाल ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन वह खुद झुलस गए। दोनों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है। आग पर काबू पाने की कोशिश में अन्य तीन कर्मचारी भी बाहर की ओर भागे। आग की सूचना मिलते ही आसपास के रहवासी और दुकानदार भी मदद के लिए पहुंच गए और पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी विकराल थी कि काबू नहीं पाया जा सका। फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और दो टैंक पानी डालकर आग पर काबू पाया। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

इंदौर में भारत वन पर पेंच, एक राय नहीं

मेयर बोले- बनाएंगे, विधायक ने कहा- कोई योजना नहीं

रामबाग और आसपास की कॉलोनी के रहवासियों का विरोध

इंदौर (एजेंसी)। भारत वन योजना को लेकर नया मोड़ आ गया है। एक ओर महापौर पुष्यमित्र भार्गव का कहना है, लोगों की राय लेकर यहां सघन पौधारोपण कर फॉरेस्ट तैयार करेंगे। दूसरी ओर क्षेत्र 3 के विधायक गोलू शुक्ला का कहना है, ऐसी कोई योजना ही नहीं है। विधायक गोलू शुक्ला ने कहा, पोलोग्राउंड रामबाग क्षेत्र स्थित मिलिट्री की घास भूमि पर नगर निगम द्वारा प्रस्तावित भारत वन को लेकर कोई योजना नहीं है।

जमीन मिलिट्री से नगर निगम को अभी नहीं मिली है। भविष्य में जब भी कोई ऐसी योजना बनाएंगे तो नागरिको के साथ मिलकर बनाई जाएगी। शुक्ला गुरुवार शाम समर्थ मठ में नागरिकों की बैठक में बोल रहे थे। योजना का विरोध करने के लिए रामबाग, पंतवैद्य कॉलोनी, जती कॉलोनी व आसपास के लोग एकत्रित हुए थे।

लोगों का कहना था कि नगर निगम यहां सघन वन बनाए, मनोरंजन स्थल की तरह इसे कतई विकसित नहीं करने दिया जाएगा। कई सालों से यह जमीन मिलिट्री के पास है। हाल ही में नगर निगम अधिकारियों के साथ महापौर के दौरे के बाद मिलिट्री ने यहां पर अतिक्रमण हटाकर दोबारा बोर्ड लगा दिया है। जाहिर है जमीन अभी भी मिलिट्री के अधीन है। विधायक शुक्ला ने कहा कि कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा था जमीन हमें मिलने वाली है।

तीन साल की लापता बच्ची को पुलिस ने ढूंढा

बड़ी बहन के साथ दूध लेने दुकान गई थी, सीसीटीवी फुटेज में जाते दिखी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के तिलक नगर में रहने वाले एक दंपती गुरुवार शाम थाने पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनकी तीन साल की बेटी लापता हो गई है। मामले में टीआई तिलक नगर ने तुरंत अफसरों को जानकारी दी। वहीं बच्ची की तलाश में लग गए। लगातार सीसीटीवी सर्च करने के बाद सड़क किनारे एक झोपड़े में लापता बच्ची मिली। जिसे परिवार को सुपुर्द किया गया। यहां रहने वाले दंपती से पुलिस पूछताछ कर रही है।

पास के झोपड़ी में सोती मिली बच्ची- टीआई मनीष लोधा के मुताबिक ग्रेटर ब्रजेश्वरी इंदौर में रहने वाले रमेश भिलाला और उनकी पत्नी थाने पहुंचे। उन्होंने बताया कि तीन साल की बच्ची लापता हो गई। उनकी बड़ी बेटी दूध लेने गई थी। जिसमें तीन साल की बच्ची उसके पीछे चली गई और उसका पता नही चल रहा है। टीआई मनीष लोधा ने मामले में अपनी टीम को इकट्ठा किया।

इलाके में बच्ची के घर के पास से सीसीटीवी देखे गए। पुलिस एक झोपड़ी के पास पहुंची। जिसमें भूरेलाल भिलाला के यहां पर बच्ची सोती मिली। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि वह सामान लेकर आ रहा था। बच्ची रास्ते में मिली। बाद में उसे बिस्किट दिलवाए और अपने झोपड़े में ले गया। उसे थाने की जानकारी नही थी तो पत्नी से कहा कि सुबह तक रास्ता देखते है। बच्ची के परिजन नही मिले तो थाने में शिकायत कर देगे। लेकिन पुलिस ने बच्ची के मिलने के बाद भी दंपती को हिरासत में ले लिया। वहीं बच्ची को उसके माता पिता के सुपुर्द किया गया।

ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों की ठगी

रुपए मांगने पर धमकाया, डॉक्यूमेंट पर साइन लेकर ब्लैकमेल किया, 13 पर केस दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के विजय नगर थाना क्षेत्र में ऑनलाइन बिजनेस में इन्वेस्ट करवाने के नाम पर तीन लोगों से लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि उन्हें मल्टी लेवल मार्केटिंग और चैन सिस्टम की जानकारी दिए बिना इन्वेस्टमेंट के लिए तैयार किया गया। जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपियों ने उन्हें धमकाया और ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद कुल 13 आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

मोटे मुनाफे का झांसा देकर इन्वेस्टमेंट करवाया

आकाश यादव, सुषमा राजपूत और मोनू यादव ने विजय नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उन्हें ऑनलाइन बिजनेस में मोटा मुनाफा होने का झांसा देकर इन्वेस्टमेंट करवाई गई। उन्हें क्यूनेट के डॉक्यूमेंट्स पर हस्ताक्षर कराए गए लेकिन मल्टी लेवल मार्केटिंग मॉडल के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। पुलिस के अनुसार, आकाश यादव से भूपेन्द्र मिश्रा ने 1.80 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए। राजकुमार से 1.40 लाख और 1.20 लाख रुपए मुकुल मेहता के मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन भिजवाए गए।

सिंहस्थ के लिए इंदौर संभागायुक्त एक्शन में

बोले- ग्राउंड जीरो पर जाएं अधिकारी, संवेदनशील रहें, प्रोग्रेस रिपोर्ट बनाएं, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

इंदौर (एजेंसी)। 2028 के सिंहस्थ के लिए प्रशासनिक अमला एक्टिव हो गया है। गुरुवार को संभागायुक्त दीपक सिंह ने इंदौर के अफसरों की बैठक ली। संभागायुक्त ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी तरह के निर्माण कार्यों को पारदर्शिता, गुणवत्ता, संवेदनशीलता के साथ और समय-सीमा में पूर्ण किये जाएं। जिन निर्माण कार्यों के टेंडर हो चुके है उसे शीघ्र पूर्ण किया जाये और जो कार्य प्रस्तावित है उस पर भी ध्यान दिया जाये। अधिकारी मौके पर जाकर विकास कार्यों का मुआयना करें और उसकी प्रगति रिपोर्ट भी बनाये। जो अधिकारी कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतेगा उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास डीएस रणदा, आईडीए के वरिष्ठ इंजीनियर अनिल कुमार जोशी, एमपीआरडीसी के एजीएम प्रतीक शर्मा, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग के हिमांशु पाण्डे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। खरगोन कलेक्टर भव्या मित्तल, खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता वर्चुअल शामिल हुए।

कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत रेसीडेंसी स्थित विश्राम भवन गेस्ट हाउस में उन्नयन कार्य किया जाना है। निरंजनपुर चौराहे से मांगलिया तक स्टार्म वाटर ड्रेन लाइन बनाना है। तलावली चांदा से अरंड़िया मार्ग तक उन्नयन कार्य किया जाना है। ग्राम पंचायत बडोदिया खान, राजोदा और अलवासा में यात्री प्रतिक्षालय निर्माण कार्य किया जाना है। एमआर-10 पर रेलवे ओवर ब्रिज के समानांतर अतिरिक्त फोरलेन दो वर्ष में पूरा हो जाएगा। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि सिंहस्थ के तहत नमामि गंगे परियोजना फेज-एक के अंतर्गत कान्ह नदी शुद्धीकरण के लिये सीवरेज ट्रीटमेंट का कार्य होना है। पालदा तिराहे से बायपास तक 4 किलो मीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य होना है। सुपर कॉरिडोर, लवकुश चौराहा से पालिया टोल नाका तक 12 किलो मीटर लम्बी सड़क बनना है। इस निर्माण से इंदौर से उज्जैन जाने वाले यात्रियों के लिये सुगम यातायात होगा।

266 करोड़ में सुधरेंगी संभाग की पुरातत्व इमारतें

पुरातत्व विभाग के उप संचालक प्रकाश परांजपे ने बताया कि पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा इंदौर और उज्जैन संभाग में सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत 266 करोड़ रुपए के संरक्षण संबंधी कार्य होना है। जिसमें लालबाग पैलेस का बगीचा एवं बाउंड्रीवाल, कृष्णाबाई होल्कर की छत्री, राजबाड़ा का दरबार हॉल, जाम गेट का सुधार कार्य, महेश्वर का संग्रहालय, बुरहानपुर में गुरू गोविंद सिंह स्मृति संग्रहालय का विकास कार्य, धार में किले के विकास कार्य, अमझेरा में राणा बख्तावर सिंह का स्मारक, माण्डव में छप्पन महल संग्रहालय का विकास कार्य आदि शामिल है।

भवंस प्रॉमिनेट कॉलेज के चेयरमैन पर लव जिहाद का केस

पत्नी ने ही दर्ज कराई एफआईआर, जबदस्ती धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाया

इंदौर (एजेंसी)। एमआईजी थाना पुलिस ने भवंस प्रॉमिनेंट कॉलेज के चेयरमेन समीर मीर के खिलाफ लव जिहाद और मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई उनकी पत्नी की शिकायत के आधार पर की गई है, जिन्होंने समीर पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने, धमकी देने और घरेलू उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। तुलसीनगर निवासी पीड़िता ने बताया कि उनकी शादी समीर मीर से वर्ष 2006 में हिंदू रीति-रिवाजों से हुई थी। शादी के बाद उनके दो बच्चे (एक बेटा और एक बेटी) हैं। पीड़िता ने बताया कि करीब चार साल पहले समीर के व्यवहार में बदलाव आने लगा। वह नमाज पढ़ने लगे और उन्होंने अपना पहनावा भी पूरी तरह बदल लिया। इसके बाद उन्होंने मुझ पर भी नमाज पढ़ने और इस्लाम कबूल करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोप हैं कि समीर ने घर में रखी हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां भी फेंक दीं। जब पत्नी ने समीर की बात नहीं मानी, तो वर्ष 2020 में उसे घर से निकाल दिया। इसके बाद वह निपानिया इलाके में रहने लगी। पीड़िता का कहना है कि समीर कई बार उससे मिलने आया और हर बार इस्लाम कबूलने का दबाव बनाया। वर्ष 2024 में दोनों के बीच एक बार समझौता भी हुआ, इस लिए पुलिस में इसकी शिकायत नहीं की। लेकिन बाद में समीर ने धर्म परिवर्तन को उसकी शर्त बना दिया, जिसे पीड़िता ने अस्वीकार कर दिया।

पीड़िता का आरोप है कि 13 मार्च 2025 को समीर ने फिर से उनके घर जाकर धमकी दी। जिसके बाद दोनों के बीच लगातार विवाद होते रहे। जिससे परेशान होकर पीड़िता ने गुरुवार रात एमआईजी थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने समीर मीर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(3) एवं मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3/5 के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को शादी के दौरान के फोटोग्राफ भी साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किए, जिनमें कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और राजनीतिक नेता भी उपस्थित थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने देर रात एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

पत्नी से विवाद के चलते मिस्त्री ने किया सुसाइड

मृतक की बहन ने लगाए भाभी पर आरोप, कहा-मारपीट हुई, चेहरे-पैर पर चोट के निशान

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के द्वारकापुरी में रहने वाले एक मिस्त्री ने फांसी लगाकर जान दे दी। देर रात उसके ससुराल के लोगों ने मिस्त्री की बहन और जीजा को जानकारी दी। बहन का आरोप है कि पत्नी आए दिन विवाद करती थी। उन्होंने चेहरे पर मारपीट के निशान होने की बात कही है। मौत के बाद ससुराल पक्ष के लोग शव जिला अस्पताल में छोड़कर चले गए।

द्वारकापुरी इलाके में रहने वाले अजय पुत्र दयाराम मोरे को देर रात करीब 11 बजे बाइक से ससुराल पक्ष के लोग जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसकी मौत की पुष्टि की। रात करीब 2 बजे पत्नी रेखा ने अजय की बहन सुनीता को कॉल कर बताया कि पति ने फांसी लगा ली। इसके

बाद परिजन घर पहुंचे तो वहां ताला लगा मिला। मोबाइल पर बात करने पर पता चला कि रेखा दो बेटियों को लेकर मायके चली गई है। बहन सुनीता पाटिल ने आरोप लगाया है कि पत्नी रेखा उनके भाई से आए दिन विवाद करती थी। वह उसे ठीक से खाना पीना भी नहीं देती थी। उसके चेहरे पर चोट के निशान हैं। वहीं दोनों पैर पर भी चोट के निशान हैं। बताया जाता है कि फांसी के बाद अजय को बाइक पर बीच में बैठाकर अस्पताल लेकर आया गया था। जिसमें उसके पैर सड़क पर घिसटा गए।

संपादकीय

अब पोप अमेरिका से

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीते दिनों नए पोप के रूप में वायरल एक एआई तस्वीर काफी चर्चित हुई थी, जिसमें ट्रंप खुद को भावी पोप के रूप में देखना चाहते हैं। लेकिन इस बीच कैथोलिक इसाइयों के मुख्यालय वेटिकन में जब कार्डिनल रॉबर्ट प्रेवोस्ट को 267 वें पोप के रूप में चुनाव गया तो मानो ट्रंप की तमन्ना ही फलीभूत हुई, क्योंकि पोप के करीब 2000 के इतिहास में कोई अमेरिकी पहली बार इस पद के लिए चुना गया है। नए पोप अब पोप लियो के नाम से जाने जाएंगे। हालांकि अमेरिकी होने के बाद भी वो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कई नीतियों से असहमत रहे हैं। ऐसे में उनके और ट्रंप के बीच भावी रिश्ते कैसे रहेंगे, यह देखने की बात है। हालांकि पोप चुने जाने पर ट्रंप ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि ये अमेरिका के लिए बहुत बड़ा सम्मान है। अमेरिका के शिकागो मूल के मूल के प्रेवोस्ट ने सेंट पीटर बेसिलिका की बालकनी से अपने पहले संबोधन में शांति और संवाद का संदेश दिया। गौरतलब है कि नए पोप के चुनाव के पहले ट्रंप ने जिस तरह खुद को पोप की वेशभूषा में पेश किया, उसे न्यूयॉर्क स्टेट कैथोलिक कॉन्फ्रेंस ने 'अपमानजनक' करार दिया था, क्योंकि यह पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के कुछ दिनों बाद और नए पोप के चुनाव से पहले पोस्ट की गई थी। यद्यपि बाद में ट्रंप ने कहा कि यह सिर्फ 'मजाक' है। उनका पोप बनने का कोई इरादा नहीं है। लेकिन उनकी इस हरकत से कैथोलिक समुदाय में नाराजगी देखी गई। वैसे ट्रंप प्रोटेस्टेंट ईसाई हैं और अमेरिका में उन्हीं की संख्या सबसे ज्यादा है, जबकि कैथोलिक दूसरे नंबर पर हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने 2019 में धर्म परिवर्तन कर कैथोलिक धर्म अपना लिया। यह बात अलग है कि पोप लियो और जेडी वेंस की भी आपस में नहीं बनती। पोप आव्रजन और कैथोलिक शिक्षा के मुद्दों पर वेंस के नजरिए से असहमत रहे हैं। उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर पोप ने कहा कि बच्चों को आव्रजन कानून के अंतर्गत बच्चों को उनके माता पिता से अलग करना उचित नहीं है। यह नीति अमेरिकी या नैतिक रूप से बचाव योग्य नहीं है। वैसे पोप लियो को नया दायित्व संभालने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित विश्व भर के नेताओं ने बधाई दी है। पोप दुनिया भर में फैले 140 करोड़ कैथोलिक ईसाई नेताओं के सर्वोच्च नेता हैं और उन्हे राष्ट्राध्यक्ष का दर्जा प्राप्त है। नए पोप का चयन दुनियाभर के कार्डिनल्स कॉनक्लेव में दूसरे दौर में हो सका। यह ऐतिहासिक चुनाव न केवल कैथोलिक चर्च के लिए, बल्कि वेटिकन और ट्रम्प प्रशासन के बीच संबंधों के लिए भी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से आप्रवासन और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर पोप की राय महत्वपूर्ण होगी। पोप लियो पेरू में मिशनरी के रूप में काम कर चुके हैं और वहां की नागरिकता भी रखते हैं। उन्हें एक संतुलित और शांत नेता माना जाता है। उनसे उनके पूर्ववर्ती पोप फ्रांसिस की सुधारवादी नीतियों को आगे बढ़ाने की उम्मीद है। उनका ज़ोर गरीबों और वंचितों के लिए काम करने पर है। नए पोप को लेकर दुनिया भर में कयास लगाए जा रहे थे कि इस बार यह दायित्व किसे मिलेगा। यह भी अटकलें थीं कि इस बार किसी गैर यूरोपीय को पोप के रूप में चुना जा सकता है। लेकिन वैसा कुछ नहीं हुआ। बहरहाल पोप का पद विश्व में अत्यंत सम्मानित धर्माध्यक्ष का पद है। दुनिया को करूणा, मानवीयता और शांति का संदेश देने में पोप की अहम भूमिका है। नए पोप भी अपने दायित्व को इन्हीं मूल्यों के संरक्षक के रूप में निभाएंगे, इसमें संदेह नहीं होना चाहिए।

आतंक के खिलाफ भारत की निर्णायक चोट

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक शोधार्थी हैं।

भारत ने वर्षों से आतंकवाद की विभीषिका को झेला है, किन्तु अब समय आ गया है जब सहनशीलता के स्थान पर सशक्त प्रतिकार ने स्थान ले लिया है। पहलगाम में हुए निर्मम आतंकी हमले ने न केवल निर्दोषों का लहू बहाया, बल्कि देश की आत्मा को झकझोर कर रख दिया। इस कायरतापूर्ण कृत्य का उत्तर भारत ने जिस वीरता और रणनीतिक चातुर्य से दिया, वह न केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन था, बल्कि न्याय के प्रति प्रतिबद्धता का उद्घोष भी था। 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल एक सैन्य अभियान नहीं था, यह उन शहीदों की पत्नियों के सिंदूर की रक्षा में उठाया गया संकल्प था, जिनके सुहाग आतंक ने छीन लिए थे। इस अभियान ने दिखा दिया कि भारत अब आतंक के हर वार का जवाब निर्णायक ढंग से देगा, चाहे वह सरहद पार हो या देश के भीतर।

भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों से चला आ रहा तनाव एक बार फिर गंभीर मोड़ पर आ गया है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस हमले में न सिर्फ निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या की गई, बल्कि यह वारदात भारत की आतंरिक सुरक्षा को चुनौती देने वाली थी। इस क्रूर घटना के पीछे जिस तरह से आतंकियों ने आम लोगों को उनके परिवार के सामने मौत के घाट उतारा, उससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया। इस नृशंस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन TRF ने ली, जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित संगठन है और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है। यह घटना न केवल एक आतंकी हमला थी, बल्कि भारत की सुरक्षा, संप्रभुता और सामाजिक सद्भाव पर सीधा प्रहार था।

भारत सरकार ने इस हमले के महज 15 दिन बाद एक निर्णायक जवाब देने का निर्णय लिया। इस सैन्य प्रतिक्रिया को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया, जो उन महिलाओं की पीड़ा को सम्मान देने का प्रयास था जिन्होंने इस हमले में अपने पतियों को खो दिया। ऑपरेशन सिंदूर, भारत की उस नीति का स्पष्ट उदाहरण है जिसमें अब आतंक का जवाब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि सटीक और निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा।

विगत रात को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) के अंदर गहराई तक जाकर नौ प्रमुख आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल एयर स्ट्राइक की। यह हमला रात 1:04 बजे शुरू हुआ और केवल सात मिनट के भीतर सभी लक्ष्यों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। कुल 25 मिनट के इस ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे कुख्यात संगठनों के मुख्य अड्डों को खत्म कर दिया गया। इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई, जिनमें लश्कर का उच्च-मूल्य लक्ष्य हाफिज अब्दुल मलिक भी शामिल था। मलिक की मौत मुरीदके स्थित मरकज तैयबा में हुई, जो लश्कर का सबसे अहम ट्रेनिंग सेंटर माना जाता है।

यह कार्रवाई केवल एक सैन्य जवाब नहीं थी,

बल्कि यह भारत की उस नई रणनीतिक सोच की अभिव्यक्ति थी जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता नहीं किया जा सकता। बुधवार सुबह सरकार, सेना और वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी साझा की। इस कॉन्फ्रेंस में पहली बार भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन के तकनीकी और रणनीतिक पक्षों को प्रस्तुत किया। इससे यह संकेत भी मिला कि भारत की सैन्य नीति में अब महिलाओं की भूमिका भी निर्णायक और अग्रणी होती जा रही है।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाया गया दो मिनट का वीडियो भी खासा प्रभावशाली रहा, जिसमें भारतीय वायुसेना की मिसाइलों द्वारा आतंकी ठिकानों को तबाह करते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था। इन ठिकानों में आतंकियों के रहने, हथियार जमा करने और ट्रेनिंग लेने की पूरी व्यवस्था थी। ये स्थान न केवल आतंकियों की घुसपैठ का माध्यम थे, बल्कि भारत के खिलाफ कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने के अड्डे भी थे।

अब यह समझना आवश्यक है कि भारत ने किन-किन ठिकानों को निशाना बनाया और क्यों? बहावलपुर स्थित मरकज सुभान अल्लाह, जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख केंद्र है जहां पुलवामा हमले की साजिश रची गई थी। मुरीदके का मरकज तैयबा लश्कर का प्रमुख ट्रेनिंग हब है और यहां से भारत विरोधी गतिविधियों की योजना बनाई जाती है। सरजाल के तेहरा कलां गांव में जैश का एक लॉन्च पैड प्राइमरी हेल्थ सेंटर की आड़ में चलाया जा रहा था, जिससे साफ होता है कि आतंकी संगठन मानवता के नाम पर भी छलावा करते हैं।

सियालकोट के महमूना जोया में हिजबुल मुजाहिदीन का अड्डा एक सरकारी अस्पताल के पास स्थित था, जो ISI की मिलीभगत का प्रमाण है। बरनाला का मरकज अहले हदीस, कोटली का मरकज अब्बास, मस्कर राहील शाहिद, शावई नाला कैंप और सैयदना बिलाल कैंप, ये सभी स्थान PoK में सक्रिय आतंकियों के संचालन और भारत में घुसपैठ की योजना बनाने के केंद्र रहे हैं। भारत द्वारा इन ठिकानों को निशाना बनाना न केवल सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण था, बल्कि यह कूटनीतिक दृष्टि से भी एक साहसिक निर्णय था।

इस ऑपरेशन ने पाकिस्तान की पोल खोल कर रख दी है, जो हमेशा यह दावा करता आया है कि वह आतंकवाद के खिलाफ है। लेकिन भारत की इस कार्रवाई ने वैश्विक समुदाय के सामने यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान में आतंकवाद को न केवल पनाह मिलती है, बल्कि वह उसकी रणनीति का हिस्सा है। TRF जैसे फ्रंट संगठन ISI द्वारा बनाए गए हैं ताकि अंतरराष्ट्रीय दबाव से बचते हुए भारत में अशांति फैलाई जा सके। इनका उद्देश्य केवल दहशत फैलाना नहीं, बल्कि सांप्रदायिक तनाव बढ़ाकर भारत की आंतरिक एकता को नुकसान पहुंचाना है।

भारत की यह सैन्य प्रतिक्रिया बालाकोट और उरी सर्जिकल स्ट्राइक की कड़ी में अगला बड़ा कदम है, लेकिन यह पहले की तुलना में कहीं अधिक सशक्त और व्यापक है। बालाकोट स्ट्राइक जहां केवल एक केंद्र तक सीमित थी, वहीं ऑपरेशन सिंदूर में नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। यह ऑपरेशन इस बात का संकेत है कि भारत अब अपने विरोधियों की प्रतीक्षा नहीं करेगा, बल्कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सक्रिय रणनीति अपनाएगा।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान कि 'अगर भारत रुकता है, तो हम भी रुक जाएंगे,' यह दर्शाता है कि भारत की कार्रवाई ने उन्हें घुटनों पर ला दिया है। यह बयान एक प्रकार की स्वीकारोक्ति है कि भारत की कार्रवाई इतनी निर्णायक थी कि पाकिस्तान के पास कोई मजबूत जवाब नहीं बचा।

भारत की इस कार्रवाई का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह केवल सीमा पर हो रही एक सैन्य गतिविधि नहीं थी, बल्कि यह एक व्यापक रणनीतिक संदेश था। यह संदेश था उन ताकतों के लिए जो भारत की शांति और विकास में बाधा डालना चाहते हैं। यह उन देशों के लिए भी चेतावनी थी जो आतंकवाद को अपने कूटनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग करते हैं।

भारत सरकार का यह कदम निश्चित रूप से आने वाले समय में एक नजीर बनेगा। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को इसका समर्थन भी मिलेगा, क्योंकि वैश्विक राजनीति अब आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हो रही है। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने भारत की आत्मरक्षा के अधिकार को पहले भी समर्थन दिया है और इस बार भी उनकी प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है।

ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं है, यह भारत की आत्मा की पुकार है, एक पुकार जो कहती है कि अब हम चुप नहीं बैठेंगे। यह उन निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि है जिन्होंने आतंक की आग में अपने प्रियजनों को खोया। यह उन महिलाओं की शक्ति को समर्पित है जिनके सिंदूर को आतंक ने मिटाने की कोशिश की, लेकिन भारत ने उन्हें न्याय दिलाने का संकल्प लिया। यह भारत की नई सैन्य, कूटनीतिक और नैतिक शक्ति का प्रतीक है जो अब किसी भी कीमत पर अपने नागरिकों की सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा।

भारत का अद्भुत पराक्रम

आतंकवाद से मुकाबला

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सीमा पार आतंकवाद के विरुद्ध भारत के अद्भुत पराक्रम को पूरे विश्व ने देखा। पाकिस्तान को भी उम्मीद नहीं होगी कि भारत इतनी तैयारी के साथ आधी रात के बाद न केवल पाक अधिकृत कश्मीर बल्कि पाक की अन्य सीमाओं में एक साथ अनेक जगहों पर सटीक मिसाइल हमले करेगा। उरी में सैनिकों पर आतंकवादी हमला में भारत ने 11वें दिन पाक अधिकृत कश्मीर में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की। पुलवामा सीआरपीएफ शिविर पर हमले के 13वें दिन बालाकोट के आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक यानी हवाई बमबारी की गई। पहलगाम हमले के 15वें दिन भारत ने मिसाइल हमला करके अब तक के सबसे बड़े और साहसी करवाई को अंजाम दिया है। जैसा कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि रात 1:05 से 1:30 पर ऑपरेशन सिंदूर के नाम से भारत में 9 ठिकानों पर हमला किया जिनमें पांच पाक अधिकृत कश्मीर और चार पाकिस्तान के अंदर हैं। इस बार भारत ने इसके साथ 18 आधिकारिक तस्वीर भी जारी कर दी जिसे किसी के पास प्रश्न उठाने का कोई कारण नहीं रह गया। वैसे भी जब जैश ए मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर बयान जारी कर रो रहा है कि उसके 10 लोग मारे गए और वह क्यों नहीं मर गया तो फिर संदेह का कारण नहीं है। 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक को तो छोड़िए 22 फरवरी 2019 के बालाकोट हवाई बमबारी पर भी हमारे देश के नेताओं ने कटाक्ष किया, उसका उपहास उड़ाया। इस बार सबके मुंह बंद है क्योंकि पाकिस्तान ने स्वयं स्वीकार किया है। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डॉयरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने सबसे पहले कहा कि भारत ने 24 मिसाइलें दागी हैं।

वास्तव में जब प्रधानमंत्री ने मधुबनी की सभा से कहा कि इस बार की कार्रवाई दुश्मन की कल्पना से परे होगा तथा उनको मिट्टी में मिलाने का वक्त आ गया है तो साफ था कि पूर्व की दो कार्रवाइयों से ज्यादा बड़ी, विस्तृत और आतंकवाद की दृष्टि से प्रभावी एवं निर्णायक कार्रवाई हो सकती है। जैसा कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका ने बताया भारत ने अपनी रक्षा आत्मरक्षा के तहत कार्रवाई की है और इस बात का ध्यान रखा गया कि आम नागरिकों और सैनिक ठिकानों को हमारी मिसाइलें स्पर्श न करें। उन स्थानों को देखिए जहां-जहां मिसाइल हमले हुए तब पता चल जाएगा कि कितनी बड़ी कार्रवाई थी। बताया गया कि जिन नौ ठिकानों पर हमले किए गए, उसके पीछे भारतीय सेना का मकसद क्या था। दोनों महिला जवानों ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए वीभत्स आतंकी हमले के शिकार नागरिकों और उनके परिवारों को न्याय देने के लिए किया गया। जिन नौ ठिकानों की पहचान कर बर्बाद किया गया उनमें में आतंकियों को प्रशिक्षित किया जाता था। ये आतंकियों के लॉन्च पैड थे। एक, नियंत्रण रेखा से 30 किलोमीटर दूर मुजफ्फराबाद का सवाईनाला कैंप लश्कर का ट्रेनिंग सेंटर था। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम में आतंकी हमला करने वाले आतंकवादियों ने यहीं प्रशिक्षण लिया था। दो, सैयदना बिलाल कैंप (पीओके) जैश-ए-मोहम्मद का ठिकाना है जहां हथियारों और विस्फोटकों को रखा जाता था, जंगल में जिंदा रहने का प्रशिक्षण मिलता था। तीन, कोटली गुलपुर भी संगठन- लश्कर-ए-तैय्यबा का अड्डा था। यहां के आतंकी जम्मू-कश्मीर के राजौरी-पुंछ में सक्रिय थे। चौथा निशाना नियंत्रण रेखा से 9 किलोमीटर दूर भींबर का बरनाला कैंप था जहां हथियारों की हैंडलिंग, बारुदी सुरंग आईईडी और जंगल में बचे रहने का प्रशिक्षण मिल जाता था। पांचवां मिसाइल हमला नियंत्रण रेखा से 13 किमी दूरअब्बास कैंप कोटली पर किया गया जहां लश्कर के आतंकवादी आत्मघाती तैयार किए जाते थे और एक बार में यहां 15 को प्रशिक्षण देने की क्षमता थी। पाक अधिकृत कश्मीर के इन ठिकानों को नष्ट करने के बाद मिसाइल पाकिस्तानी सीमा के भीतर चल रहे आतंकी ठिकानों पर गरजे। एक, सबसे पहले अंतरराष्ट्रीय सीमा से 6 किमी दूर और जम्मू-कश्मीर के सांबा-कठुआ के सामने सरजल कैंप सियालकोट पर हमला किया। दूसरे नंबर पर अंतरराष्ट्रीय सीमा से 12-18 किमी दूर सियालकोट का महमूना जोया कैंप था जो हिजबुल का बड़ा अड्डा था। यहां से कठुआ में आतंकवादी गतिविधियां चलतीं थीं। पठानकोट वायु सेवा अड्डे हमला का का पूरा षड्यंत्र उसे अंजाम देने की योजना यही बनी थी।तीसरे नंबर पर अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 18-25 किमी दूर हाफिज सईद के मुरीदके में मरकज-तैयबा था जहां 2008 के मुंबई आतंकी हमले के आतंकवादी प्रशिक्षित हुए। कसाब और डेविड हेर्डली को यही प्रशिक्षित किया गया था । और सबसे अंत में अंतराष्ट्रीय सीमा से करीब 100 किलोमीटर दूर बहावलपुर में मरकज सुभान अल्लाह पर हमला किया। यह जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय है जो आतंकवादियों का व्यापक सुरक्षित केंद्र है जहां भर्ती से लेकर वैचारिक हथियारों के प्रशिक्षण और उन्हें सीमा पार करने सहित सारी व्यवस्थाएं थी। मसूद अजहर के परिवार के 10 लोग भी मिसाइल के प्यारे हो गए। भारत को बर्बाद करने की कसमें खाने वाले मसूद आज फूट-फूट कर रोए तो कल्पना कर सकते हैं कि हमला उसके सारे सपनों को एकबारगी ध्वस्त करने वाला साबित हुआ है। इसमें मसूद अजहर की बड़ी बहन और उसके पति, भांजे और उसकी पत्नी और अन्य भतीजों और परिवार के पांच बच्चों के साथ उसके करीबी सहयोगी और उसकी मां और दो अन्य करीबी सहयोगियों की भी मौत हुई है। इसमें आतंकवादी कमांडर इकबाल करी के साथ हमले में 10 अन्य आतंकी भी मारे गए हैं। बिलाल आतंकी शिविर के प्रमुख याकूब मुगल की भी मौत हुई है। बहावलपुर के बाहरी इलाके में कराची-तोरखाम राजमार्ग पर 15 एकड़ में फैले मरकज सुभान अल्लाह मसूद अजहर का किला था जो 2019 में पुलवामा आतंकवादी हमले सहित अनेक हमले का केंद्र रहा है। मसूद अजहर का घर मरकज सुभान अल्लाह में ही है।

इस तरह देखें तो भारतीय सेना ने केवल पहलगाम हमले के दोषियों को ही सजा नहीं दी बल्कि पिछले लंबे समय से आतंकवादी हमला करने के मुख्य केंद्रों और भविष्य के षड्यंत्र रचने वालों केन्द्रों को भी तबाह कर दिया। वास्तव में एक-एक हमले पर कार्रवाई से भारत पर आतंकवादी हमले का खतरा टल ही नहीं सकता क्योंकि आप जितने मारेंगे उतने आतंकवादी यै केंद्र पैदा कर लेंगे। तो पहला रास्ता यही था कि उन सारे चिन्हित केन्द्रों को नष्ट कर दिया जाए। उनके लिए भविष्य में भी गतिविधियां आसान नहीं होगी क्योंकि अब वहां भारत सहित विश्व भर की दृष्टि होगी। क्या आप सोच सकते हैं कि मुरीदके जैसा अड्डा लश्कर या तैय्यबा या हाफिज जल्दी निर्माण कर सकता है? क्या मसूद अजहर की अब हैसियत मार्केट सुभान के पुनर्निर्माण की है? हिजबुल मुजाहिदीन को हम आप भूल गए थे किंतु सुरक्षा एजेंसियां नहीं भूली और उनको भी नहीं छोड़ा गया। निश्चय ही प्रधानमंत्री जब तीन-तीन बार तीनों सेना के प्रमुखों और दो बार चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ से मिलते हैं तथा गृह मंत्री अमित शाह लगातार बैठकें कर रहे हैं तो उसकी परिणति इतनी ही बड़ी होनी थी जिनमें लंबे समय के लिए भारत सीमा पार के बड़े आतंकवादी खतरों से मुक्त हो जाए। पहले सीमा में घुसकर धरती पर सामान्य सर्जिकल स्ट्राइक, फिर हवाई बमबारी और अब मिसाइल दाग कर भारत ने पाकिस्तान और दुनिया को बता दिया है कि सीमा पार आतंकवाद के विरुद्ध वह हर तरह के अस्त्रों का उनकी पूरे प्रभाविता से उपयोग करने का मन बना चुका है। आतंकवाद के विरुद्ध सबसे पहले इजरायल और अमेरिका ने मिसाइल दागने की शुरुआत की और बाद में कुछ यूरोपीय देशों ने भी ऐसा किया । अब भारत भी उस श्रेणी में शामिल हो गया है। इनमें गुणात्मक अंतर यह है कि अमेरिका या यूरोप को किसी पड़ोसी देश का सामना नहीं करना था जहां से उसे न्यूक्लियर हथियार वाले से जवाबी कार्रवाई का खतरा हो। पाकिस्तान के विरुद्ध भारत की कार्रवाई की स्थिति इसके विपरीत है और इस नाते यह बहुत बड़े साहस का किम है । भारत को हजार घाव देने की कसमें खाने वाले पाकिस्तान को कभी इस तरह का सबक मिला नहीं और बालाकोट से उसने सीखने की कोशिश नहीं की। जरा सोचिए, जनरल आसिफ मुनीर की इस समय क्या दशा होगी? शहनवाज शरीफ सरकार की अथॉरिटी आज की स्थिति में क्या है यह पाकिस्तानियों को भी नहीं समझ आ रहा है। मुनीर इस्लाम और कलमा के नाम पर पाकिस्तान को जम्मू कश्मीर के गले की नस बताते हैं और उसके लिए आतंकवाद का इस्तेमाल करते हैं? तो आगे उनको इससे बड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। जब भारत का राजनीतिक नेतृत्व सीमा पार आतंकवाद को जड़मूल से नष्ट करने का संकल्प ले चुका हो तो सेंड बालवीर उसके अनुरूप उत्साह के साथ तैयारी करते हैं। आगे पाकिस्तान ने नहीं माना तो उसके गर्दन की नस दबने का भी समय आ जाएगा।

वीर रस का लेखन और वाचन

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

आध्यात्मिक दृष्टि से शब्द को ब्रह्म भी माना जाता है। ऐसे में जब शब्द ब्रह्म है, और उसे अस्त्र के रूप में प्रयुक्त किया जाए तो 'ब्रह्मास्त्र' जैसे सर्वशक्तिमान अस्त्र की परिकल्पना होती है। इसी तर्ज पर वीर रस के लेखन और वाचन को 'शब्दास्त्र' की परिभाषा में शुमार किया जा सकता है। किसी किस्म के तनाव के दौरान अपने मानसिक शौर्य एवं पराक्रम का परिचय देने की दृष्टि से विरोधी पर शाब्दिक प्रहार का सिलसिला इन दिनों जोरों पर है। सोशल मीडिया पर एक से बढ़कर एक शाब्दिक मिसाइल और कारतूस दागे जा रहे हैं। जमकर आक्रामक विचार वायरल हो रहे हैं। कुछ खोजी चैनल तो बहुत ही गजब ढा रहे हैं।

लेकिन कुछ ऐसे भी है जो तमाम तरह के 'किंतु परंतु' करते हुए बाल की खाल निकाल कर अपनी छिद्रान्वेषी मानसिकता का परिचय दे रहे हैं। दरअसल ऐसे वर्ग को आत्मघाती दस्ते की श्रेणी में सम्मिलित माना जा सकता है। लेकिन एक बात तो तय है कि किसी भी प्रकार के संकट के समय में हौसला अफजाई आहत वर्ग का मनोबल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। ऐसे में यदि संदर्भ राष्ट्रव्यापी हो, राष्ट्र की एकता और अखंडता के साथ-साथ राष्ट्रीय मान सम्मान और स्वाभिमान का प्रश्न हो, या कि कानून और व्यवस्था का संकट हो, तब उमंग व उत्साह से परिपूर्ण दो शब्द या दो बोल भी जन-जन में राष्ट्रीय चेतना का प्रबल संचार करते हैं।

वर्तमान परिस्थितियों में राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत तमाम तरह की टिप्पणियां किसी न किसी रूप में हर किसी को प्रेरित एवं उत्साहित कर रही है। वैसे तो हर किसी के सामने अपनी निजी समस्याएं, चुनौतियां और जिम्मेदारियां कम नहीं है। लेकिन जब आसन्न संकट बड़ा हो, तब स्वाभाविक रूप से मुख्य संकट के निवारण की दिशा में ही एकाग्र होना पड़ता है। यही कारण है कि इस समय हर कोई अपने-अपने स्तर पर जो जहां है, वह वहीं से राष्ट्र के सुर में सुर मिला रहे हैं। हर एक व्यक्ति के प्रभाव में कुछ न कुछ व्यक्ति रहा करते हैं, इसके चलते आम नागरिकों में अनुकरणीय व्यक्तित्व का अनुकरण करने की स्वाभाविक मानसिकता होती है।

वास्तव में सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है कि आम नागरिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सुगमता पूर्वक रसास्वादन कर सकते है। यहां से दागा गया शब्दास्त्र तत्काल प्रभाव से कारगर होता है। दृश्य एवं श्रव्य की इसमें प्रभावी सुविधा है। जो अनेक अवसरों पर अपनी संपूर्ण प्रामाणिकता के साथ हर किसी को दृष्टिगोचर होती है। किसी विषय पर सहमति या असहमति प्रकट करने का हर किसी को अधिकार है। हालांकि सोशल मीडिया के दुरुपयोग के उदाहरण भी कम नहीं है। लेकिन जब राष्ट्रहित में तमाम परस्पर विरोधी राजनीतिक दल एकजुट होकर राष्ट्र के मान सम्मान और स्वाभिमान के लिए एक साथ आ खड़े होते है, टकराने वाला मिट्टी में मिल जाता है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

रायता फैलाने की गंभीर बीमारी

व्यंग्य

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

हमारे यहाँ मुहावरों की दुनिया भी अजीब है, जबकि उसका प्रयोग तो उससे भी बड़ा जादूवी है। भोजन में परोसे जाने वाले व्यंजन भी मुहावरों की बलि चढ़ गए हैं। देखिए! गर्मी में हमें रायता बेहद पसंद है। लेकिन अब मुहावारा वालों ने हमारे रायते की ऐसी-तैसी कर दिया है। जिसकी वजह से हमारे रायते का स्वाद ही बदल गया है। अब मुहवारा वालों को कुछ नहीं मिला तो हमारे सबसे पसंसदीदा रायते की ऐसी -तैसी कर डाली। अरे भाई! रायता तो हमारी थाली की शान है। लेकिन, हमारी थाली में रायता देख मुहवारा गढ़ने वालों का हाजमा बिगड़ गया। रायते से इतनी जलन हो गई कि उन्होंने पूरा रायता फैला दिया। अब रायता ऐसा फैलाया कि उसका स्वाद हमें तो मिलने से रहा खुद भी नहीं ले पाए। इसी लिए कहते हैं कि रायता फैलाइए तो सोच समझ कर फैलाइए।

रायता फैलाना आजकल हर आदमी का शगल बन गया है। हर कोई रायता फैलाने के लिए उतावला दिख रहा है। मसला चाहे देश की आंतरिक सुरक्षा का हो या सामुदायिक सद्भाव का। जाति का हो या धर्म का लोगों ने रायता फैलाना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझ लिया है। आतंकवाद और देश की आंतरिक सुरक्षा का मसला हमारे लिए बेहद अहम है। हम युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं, लेकिन रायता बाज रायता फैलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। वह सिर्फ राजनीति का गाना गा रहे हैं और रायता फैला रहे हैं। उन्हें बस अपने रायते की पड़ी है। जबसे सोशलमीडिया और मीडिया का जमाना आ गया है तब से लोगों में रायता फैलाने की होड़मची है। कौन कितना रायता फैला दे यह उसकी अपनी काबिलियत होगी। लोग अपने कद और पद को जेब में डालकर बस रायता फैलाने में लगे हैं।

सोशल मीडिया पर तो रायता फैलाने की होड़ सी दिख रहीं है। राजनीति, राजनेता, सत्ता, विपक्ष और आम से लेकर ख़ास सब रायता फैलाने में जुटे हैं। अब लोगों के पास इतनी तकनीकी सुविधएं आ गई हैं कि रायता फैलाने के लिए कोई मेहनत नहीं करनी पड़ती। पहले रायता फैलाने का माध्यम सिर्फ अख़बार होता था, लेकिन उसमें चाहकर भी रायता नहीं फैल पाता था। अब तो जैसे ही सोशलमीडिया पर रायता फैलाया वह तुरंत वायरल हो जाता है। फिर राष्ट्रीय मीडिया उस पर ब्रेकिंग चलाती है और डिवेट भी शुरू हो जाती है। यह सब देख कर रायता फैलाने वाले का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। जबकि उसे मालूम ही नहीं है कि उसकी फैलाई हुई बदबू पर जगहंसाई हो रहीं है। जबकि फैलाने वाला आत्मप्रशंसा में मन्त्रमुग्ध रहता है।

हमारी राजनीति में आजकल रायता फैलाने का शौक चर्राया है। युद्ध के माहौल में भी विपक्ष के लोग खूब रायता फैला रहे हैं। अब राफेल पर ही नींबू-मिर्च का रायता फैलाने लगे। अरे भाई, राफेल कोई मूली-गाजर थोड़े है जहाँ चाहो वहां घूसा दो। वह आपका रायता थोड़े है जहाँ चाहे वहां फैला दीजिए। सारा काम आप रायता के जरिए ही कर देंगे तो सरकार क्या करेगी। नींबू-मिर्च की अगर इतनी ही चिंता थीं तो आपको सरकार में होना चाहिए था। जमीन तो कभी आप लोगों ने देखी नहीं सिर्फ रायता ही फैलाते रह गए। अब नेताजी को कौन बताए कि आपकी पार्टी और राजनेता भी सरकार के साथ हैं फिर आप जबरी रायता फैलाकर दुश्मन की हौसलाआफजई क्यों कर रहे हैं। रायता फैलाने वालों से मेरा निवेदन है कि नींद में रायता न फैलाएं। रायता फैलाने की बीमारी से बाज आएं वरना फैलाया हुआ रायता खुद पर लौट कर आएगा। हम रायता फैलाने वालों से बेहद खुश हैं। उनकी रायता फैलाने की अद्भुत कला को किसी की नजर न लगे इस लिए इसको बचाने के लिए नींबू-मिर्च का प्रयोग करें।

ट्रैवलॉग चर्चा

ब्रजेश कानूनगो

लेखक स्तंभकार हैं।

पर्यटकों को लुभाते अनोखे पेड़

मेडागास्कर गणराज्य हिन्द महासागर में विश्व का चौथा सबसे बड़ा द्वीप है। यहाँ विश्व की पाँच प्रतिशत पादप वनस्पति और जीव प्रजातियाँ मौजूद हैं। इनमें से 80 प्रतिशत केवल मेडागास्कर में ही पाई जाती हैं। दरअसल पादप या पौधे जीवित प्राणियों का एक समूह है, जो अपना भोजन सूर्य की ऊर्जा से बनाते हैं। ये जीवित प्राणी मिट्टी से पानी और पोषक तत्व लेते हैं और हवा से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं। पौधे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु ने सिद्ध किया था कि वनस्पति में भी जीवन प्राण होते हैं। ये पादप उन्हीं प्राणवान वनस्पतियों का ही रूप कहा जा सकता है।

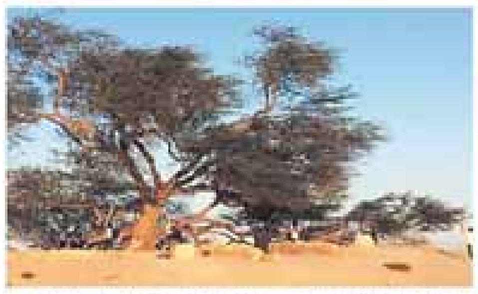

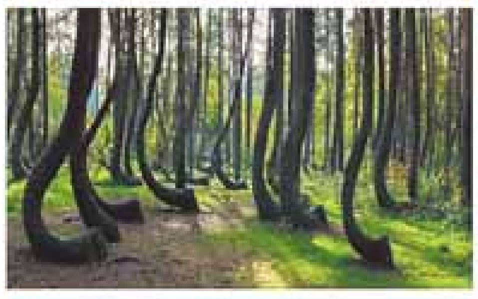

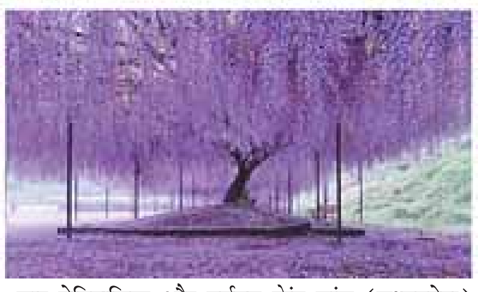

गत दिनों हमने ट्रैवलर बंसी विश्नोई के कुछ ट्रैवलॉग वीडियोस को यूट्यूब पर देखा। वे दक्षिण अफ्रीका महाद्वीप के नजदीक स्थित द्वीप देश मेडागास्कर में भ्रमण करते हुए वहां के जनजीवन और खास विशेषताओं और दृश्यों को बहुत नजदीक से फिल्माते हुए भारत में हम जैसे दर्शकों के लिए वहां का लुत्फ उठाना संभव कर रहे थे।

मेडागास्कर गणराज्य हिन्द महासागर में विश्व का चौथा सबसे बड़ा द्वीप है। यहाँ विश्व की पाँच प्रतिशत पादप वनस्पति और जीव प्रजातियाँ मौजूद हैं। इनमें से 80 प्रतिशत केवल मेडागास्कर में ही पाई जाती हैं। दरअसल पादप या पौधे जीवित प्राणियों का एक समूह है, जो अपना भोजन सूर्य की ऊर्जा से बनाते हैं। ये जीवित प्राणी मिट्टी से पानी और पोषक तत्व लेते हैं और हवा से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं। पौधे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु ने सिद्ध किया था कि वनस्पति में भी जीवन प्राण होते हैं। ये पादप उन्हीं प्राणवान वनस्पतियों का ही रूप कहा जा सकता है।

ट्रैवलर बंसी वैष्णव अपनी यात्रा में एक ऐसे क्षेत्र में जाते हैं जहां ऐसी ही अनोखी वनस्पति और पेड़ों की बहुतायत थी। पर्यटकों के लिए उस क्षेत्र में खासतौर से व्यवस्थाएं की गईं थीं। अपने अनोखे और दुनिया में अन्य जगह दुर्लभ बाओ बाब पेड़ की प्रजातियों को यहां देखना बहुत रोमांचित करता है। यह पेड़ अपने मोटे तनों और अनोखे आकार के लिए प्रसिद्ध हैं। ये पेड़ अपने विशाल आकार और लम्बी उम्र के लिए जाने जाते हैं, कुछ बाओबाब पेड़ों की उम्र 1000 साल से भी अधिक होती है। बाओबाब पेड़ों के अलावा रफ़िया पाम जो एक प्रकार का पाम पेड़ है और इसके पत्तों का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है। टमाल पेड़ एक ऐसा पेड़ है, जो जिसके बीजों का उपयोग मसाले के रूप में किया जाता है। मेडागास्कर में ऑर्किड की भी कई प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जो अपनी सुंदरता और विविधता के लिए प्रसिद्ध हैं।

मेडागास्कर में बंसी विश्नोई के कैमरे से दैत्याकार बाओ बाब पेड़ों को देखकर सहज जिज्ञासा हुई कि क्या ये पेड़ हमारे देश में भी कहीं पाए जाते हैं ? मैने कई बार ऐतिहासिक और पर्यटन केंद्र मांडू (मध्यप्रदेश) की सैर की थी, तब मुझे वहां एक खास प्रकार के बड़े फल को खाने का मौका मिला था, जिसे स्थानीय भाषा में मांडू की इमली कहा जाता है। कबीट या नारियल जैसे इस फल के भीतर से खट्टा मीठा गुदा निकलता है। इसके विशालकाय पेड़ भी वहां देखे थे। बाओ बाब पेड़ों को बंसी जी के ट्रैवल वीडियो में देखकर लगा कि मांडू की इमली के पेड़ भी संभवतः इसी प्रजाति के हैं। थोड़ी जानकारी जुटाई तो यह सच भी निकला कि खुरासानी इमली के ये पेड़ उसी प्रजाति के हैं। कुछ ऐसे ही पेड़ सिवनी के वनों में भी पहचाने गए थे।

बाओ बाब के अलावा भी दुनिया में ऐसे कई अद्भुत पेड़ हैं जो अपनी अनूठी विशेषताओं और प्राकृतिक सुंदरता के लिए पर्यटकों को आकर्षित करते रहे हैं। जैसे ड्रैगन ब्लड ट्री (यमन), बॉटल ट्री (नामीबिया), और रेनबो यूकेलिप्टस (अमेरिका और दक्षिण पूर्व एशिया)। यमन के सोकोट्रा द्वीप पर पाए जाने वाले ड्रेगन ब्लड ट्री की छाल का रंग खून के समान लाल होता है। इस पेड़ का रस भी लाल रंग का होता है और इसे पारंपरिक रूप से एक दवा के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के ब्लू माउंटेन्स में पाए जाने वाले वालामी पाइन पेड़ को जीवित जीवाश्म माना जाता है क्योंकि यह 200 मिलियन साल से भी अधिक पुराना है।

बहरीन के जियाज द्वीप पर स्थित ट्री ऑफ लाइफ पेड़ अपने अजीब और अनोखे रूप के लिए जाना जाता है। यह पेड़ बिना किसी पानी के स्रोत के जीवित रहने में सक्षम है। दक्षिण पूर्व एशिया और अमेरिका के रेनबो यूकेलिप्टस पेड़ की छाल विभिन्न रंगों के साथ आती है, जिससे यह एक सुंदर दृश्य प्रस्तुत करता है। साउथ कैरोलिना के जॉन्स आइलैंड पर स्थित एंजल (यूएसए) ओक पेड़ 1,500 वर्षों से अधिक पुराना है। यह पेड़ अपनी विशाल छतरी के लिए प्रसिद्ध है। न्यूज़ीलैंड की वानाका झील के पास स्थित वानका एक अकेला विलो पेड़ अपने घुमावदार स्वरूप और शांत झील के पानी पर मोहक प्रतिबिंब के लिए बहुत प्रसिद्ध है। कंबोडिया तथा दक्षिण पूर्व एशिया का सिल्क कॉटन ट्री पेड़ की छाल और पत्तियां रेशम की तरह नरम होती हैं। इसलिए इसे सिल्क कॉटन ट्री कहा जाता है। बहुत लोकप्रिय पेड़ हैं।

भारत का सबसे बड़ा वट वृक्ष कोलकाता के आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डन में स्थित है, जिसे द ग्रेट बयाइन ट्री के नाम से जाना जाता है। यह बरगद का पेड़ 250 साल से अधिक पुराना है और 14,500 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। यह वट वृक्ष दुनिया का सबसे चौड़ा बड़ा बरगद का पेड़ माना जाता है। इसकी 3,372 से अधिक जटाएं हैं जो जमीन में जड़ें डाल चुकी हैं। एक जंगल की तरह दिखता है यह पेड़ और 87 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों का बसेरा है। इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल किया गया है लोग इसे 'वॉकिंग ट्री' भी कहते हैं। 1884 और 1987 में आए चक्रवाती तूफानों ने इस पेड़ को नुकसान पहुंचाया था, लेकिन यह फिर भी जीवित है।

वनस्पति और वृक्षों के गुणों के कारण भारत में उनका औषधीय, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व हमेशा से रहा है। पेड़ों में आस्था व्यक्त करते हुए उनकी पूजा करना भारतीयों के संस्कार में शामिल हैं। बरगद को भारत का राष्ट्रीय वृक्ष माना जाता है, जबकि पीपल को धार्मिक महत्व दिया जाता है, और नीम को अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है।

जब हम घर बैठे घुमंतुओं के यूट्यूब ट्रैवल वीडियो देखते हैं तो न सिर्फ दुनिया के लोगों, प्राणियों और वनस्पति को जानते हैं बल्कि कुदरत के करिश्में और प्रकृति का अप्रतिम सौंदर्य भी हमें अभिभूत कर देता है। धन्यवाद प्रिय विश्व यात्रियों। शुभकामनाएं!

अभिमत

मुकेश नेमा

लेखक एमपी के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

ठंडे दिमाग ही बेहतर फैसले ले सकते हैं

पहले तो हम ये मान लें कि पाकिस्तान हमेशा हमारी सरहद पर इसी तरह पेश आता रहेगा। यदि उसे बतौर एक देश अपना अस्तित्व कायम रखना है तो उसके पास दूसरा चारा है भी नहीं।देखिये पाकिस्तान बना ही इस सिद्धांत पर था कि अलग धर्म मे विश्वास करने वालो को पृथक देश चाहिए,पर बाँगलादेशियों ने भाषा और संस्कृति के नाम पर अलग होकर इस फार्मूले की धज्जियाँ उड़ा दी। सो पाक बना रहे इसलिये उसे भारत के प्रति लगातार नफरत,तनाव डर और अविश्वास दिखाने की बेहद जरूरत है।यह वह भावनात्मक गोंद है जो पंजाब सिंध,बलूचिस्तान और पख्तूनिस्तान को आपस मे जोडे रखती है।यदि ये वजह ही नही रही तो पाक के बने रहने का कोई कारण ही नही बचेगा।चार टुकडे होगे उसके और चारो आपस मे कट मरेंगे।

मोटी मोटी बात यह कि एक राष्ट्र के रूप मे बने रहने के लिए पाकिस्तान के पास भारत का हौआ खड़े रखने के अलावा और कोई वजह नही। वो आर्थिक,राजनैतिक और सांस्कृतिक रूप से एक असफल देश है। लादेन के बाद पूरी दुनिया के सामने अपनी रही सही साख खो चुका और अब जो चाहे सो करे आज की परिस्थितियों से पार पाना उसके लिए नामुमकिन जैसा है।

रही बात कश्मीर कि तो इसे लेकर दोनो ही देशो की सरकारें अपनी जनता को इतनी बड़ी-बड़ी बाते कह सुन चुकी है कि इस मुद्दे पर कोई भी ऐसा समझौता जो किसी भी पक्ष के लिये कुछ खोने जैसा हो सख्ती से नापसंद किया जायेगा और ऐसा करने वाली उस सरकार का मरण तय है। जैसा कि हम सब को पता है कि मरना कोई भी नही चाहता,सो यहाँ भी सूरते हाल बदलने जैसा कुछ भी नहीं है।

हमारी बदकिस्मती है ये कि हम पाकिस्तान के पड़ोसी हैं। ऐसा पड़ौस जो बदला नहीं जा सकता। ऊपर से खराब बात ये कि उसके आर्थिक हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। कर्ज में आपाद मस्तक डूबा ये देश लगभग दिवालिया हो चुका। वहाँ बसे लोग भी रोटी कपड़ा और मकान चाहते है ,सुकून चाहते हैं जो उनकी सरकार के बस के बाहर की चीज है। ऐसे मे वह अपनी पब्लिक को कश्मीर नाम के नशे मे गाफिल बनाये रखना चाहती है।

इसके अलावा पाक की असली निति नियंता वहाँ की सर्वशक्तिमान सेना है।जो पाक की असली सरकार है। वहाँ का वजीर ए आजम उसके ड्राईग रूम मे सजा शो पीस भर है। वहाँ सब कुछ सेना ही तय करती है,सारे संसाधनों पर उसका कब्जा है। अब सरहदो पर तनाव रहेगा तो सेना की हैसियत भी बनी रहेगी। लाखों अरबों डॉलर से तर हथियारों के मलाईदार सौदे होते रहेंगे। अब भला वो क्यों चाहेगी कि उसकी पूछ परख कम हो।

मैं समझता हूँ। पहलगाम से मन दहक उठे हैं हमारे। बहुत से चाहते है कि पाक से एक बार और लडें हम। इस तरह लड़े कि उसे नेस्तनाबूद कर दे। पर ना हम ऐसा कर सकते है ना बाकी दुनिया हमे ऐसा करने देगी। ना हमे ऐसा करने की सोचना चाहिए। इस विकट घड़ी में भी यह याद रखना ज्यादा जरूरी है कि युद्ध दोनों देशों के निर्दोष सैनिकों के ताबूतों की गिनती ही बढ़ायेगा। रोती कलपती विधवाओं के तेजाबी आँसू उनके आगे की जिंदगी गला देंगी। युद्ध वो भी जब दो परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों में हो तो वो दोनों तरफ बस तबाही ही लायेगा ये तय है।

इसलिये दिमाग को ठंडा बनाये रखने की कोशिश कीजिए। ठंडे दिमाग ही बेहतर फैसले ले सकते है। सरकार पर भरोसा और इत्मीनान बनाये रखिये। हमारी सरकार सेना ने जो वाजिब समझा किया भी है। जो किया पूरी समझदारी से किया है,पर आशंका यही कि पाकिस्तानी सरकार सेना भी अपना चेहरा बचाने के लिए कुछ और भी कर सकती है। और फिर उसका बदला चाहिए होगा हमें। ये सिलसिला डरावना होगा और हर बार निर्दोष जानें भी जाएँगी।

भगवान करे अब बात न बढ़े आगे। दोनों पक्ष साथ बैठकर बातें करें। बाते तो होती भी रहनी चाहिए। बात करने में कोई खराबी है भी नहीं। पर अफ़सोस की बात यही कि ज्यादा उम्मीद रखी नहीं जा सकती ,बातें करने से इतना भर होगा कि लातों की नौबत कम हो जाएगी। बात करने से बात और नही बिगड़ेगी और इतना भर होना भी ठीक ठाक सा ही होगा।

विचार

अजमत

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

शांति और अहिंसा से भविष्य की दिशा

जब-जब दुनिया युद्ध के कगार पर पहुँची है, तब-तब किसी को न कोई जीत मिली, न कोई स्थायी समाधान। हर युद्ध ने सिर्फ लाशें, आँसू और नफ़रतें दी हैं। आज भी जब युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ रहा है, तब यह पूछना ज़रूरी है- क्या युद्ध ही एकमात्र रास्ता है ? नहीं। हमें याद करना होगा अपना इतिहास, अपनी सांस्कृतिक, विरासत, अपने धर्मो की शिक्षाएँ और इसके आगे गाँधी और बुद्ध की वह राह, जिसने दुनिया को बताया कि विचारों की लड़ाई विचारों से लड़ी जाती है, बन्दूक और भालों से नहीं।

स्वतंत्रता संग्राम और अहिंसा का अद्भुत प्रयोग

भारत का स्वतंत्रता संग्राम दुनिया के अन्य आंदोलनों से बिल्कुल अलग था। जबकि अन्य देशों में स्वतंत्रता की लड़ाई में क्रांतिकारी आंदोलन और हथियारों का सहारा लिया गया, भारत ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में 'अहिंसा' और 'सत्याग्रह' को अपना अस्त्र बनाया। यह महात्मा गांधी का अद्भुत साहस था, जिन्होंने यह सिद्धांत प्रस्तुत किया कि शांति और सत्य ही सबसे शक्तिशाली हथियार हैं। उनके नेतृत्व में, भारत ने दुनिया को यह दिखाया कि एक समाज जब सच्चाई और शांति के रास्ते पर चलता है, तो वह किसी भी ताकत से मजबूत हो सकता है, और ब्रिटिश साम्राज्य को भी इस सत्य के आगे झुकने के लिए मजबूर किया ।

गांधी के आंदोलन में अहिंसा के सिद्धांत का पालन करने के बावजूद कई बार हिंसा की घटनाएँ हुईं। एक उदाहरण 1920 में चौरी चौरा कांड था, जब पुलिस स्टेशन में उग्र भीड़ ने आग लगा दी। गांधीजी ने इस घटना के बाद आंदोलन वापस ले लिया और कहा, 'जब आंदोलन अहिंसा की सीमा से बाहर निकल जाए, तो उसका कोई मतलब नहीं है।' उनका मानना था कि हिंसा, चाहे किसी भी रूप में हो, एक समाज को और भी पतन की ओर ले जाती है, और उनके आंदोलन में हिंसा का कोई स्थान नहीं था ।

'अहिंसा' केवल शारीरिक हिंसा से बचने का नाम नहीं था, बल्कि यह एक आध्यात्मिक और मानसिक शक्ति थी । यह सत्य और न्याय के लिए संघर्ष करने का एक शुद्ध और शांतिपूर्ण तरीका था। एक और वाकया है जब जवाहरलाल नेहरू ने गांधीजी से कहा था, 'मुझे यह अहिंसा समझ में नहीं आती, यह कैसे काम करेगा?' गांधीजी ने शांतिपूर्वक उत्तर दिया था, 'नेहरूजी, तुम शायद इसे समझ नहीं पा रहे हो, लेकिन जो रास्ता हम चुन रहे हैं, वह एक दिन तुम्हें सही लगेगा। यह रास्ता संघर्ष के रास्ते नहीं, बल्कि सच्चाई के रास्ते पर चलने का है।'

हम सब को यह भी याद रखना चाहिए कि जब बंगाल में विभाजन के बाद दंगे भड़क उठे, गांधीजी ने 'नम्रता और अहिंसा' से समाज में सामंजस्य लाने का प्रयास किया। कहाकि, 'हमारा संघर्ष किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर फैली नफरत और भेदभाव के खिलाफ होना चाहिए।'

महात्मा गांधी का अहिंसा का मार्ग इतना प्रभावी था कि उन्होंने हजारों साल पुरानी सांस्कृतिक परंपराओं और धार्मिक विचारों को जोड़ते हुए यह सिद्धांत पेश किया कि 'दुनिया का सबसे शक्तिशाली हथियार अहिंसा है।' उन्होंने यह भी कहा, 'जिस समाज में अहिंसा होगी, वही समाज सच्चा और न्यायपूर्ण होगा।' गांधी के दृष्टिकोण ने केवल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा नहीं दी, बल्कि पूरे विश्व को यह सीख दी कि 'हिंसा का उत्तर केवल अहिंसा ही हो सकता है।'

भारतीय संस्कृति का मूल भाव

'वसुधैव कुटुम्बकम्' - यह संस्कृत वाक्यांश महापरिषद् उपनिषद में मिलता है:

'अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥'

इसका मतलब है कि 'यह मेरा है, वह पराया है, ऐसा सोच छोटे मन वाले करते हैं। उदार विचारों वाले तो पूरी पृथ्वी को एक परिवार मानते हैं।' यह विचार केवल दर्शन नहीं, भारत की सभ्यतागत दृष्टि है। हमारे यहाँ अतिथि देवता होता है, हमारे यहाँ युद्ध के बाद शत्रु को भी शरण दी जाती है, और हमारे धर्मग्रंथ कहते हैं-

सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु। मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत्॥

इसका अर्थ होता है सभी सुखी हों, सभी निरोग (रोग-मुक्त) रहें, सभी मंगल देखें (कल्याणमयी बातें सुनें और करें), और कोई भी दुःख का भागी न बने। यह केवल एक प्रार्थना नहीं है, बल्कि एक दृष्टिकोण है – जो 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से जुड़ा हुआ है। इसमें केवल मनुष्य नहीं, बल्कि सभी प्राणी मात्र के लिए सुख और स्वास्थ्य की कामना है। यह हमें बताता है कि भारत की संस्कृति किसी एक जाति, धर्म या राष्ट्र तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के लिए मंगल की कामना करती है ।

इस्लाम और शांति का संदेश

दुनिया में 'इस्लाम' शब्द ही 'सलाम/शांति' से बना है।

पैग़म्बर मुहम्मद साहब ने कहा -'अल्लाह को वह व्यक्ति सबसे प्रिय है जो उसके बंदों से सबसे बेहतर व्यवहार करे।' कुरआन कहती है:

'जो एक व्यक्ति की जान बचाता है, वह पूरी मानवता को बचाता है। जिहाद का वास्तविक अर्थ है - अपने भीतर के अहंकार, क्रोध और लालच से लड़ना, न कि बाहरी हिंसा। अफसोस है कि इस्लाम की इन शिक्षाओं को कुछ कट्टरपंथियों ने अपहरण कर लिया है। मगर आज, एक बार फिर जरूरत है मुस्लिम समाज की आवाज़ की, जो कहे कि हमें आतंकवाद नहीं, अमन चाहिए ।

ईसाई धर्म और प्रेम की शिक्षा

ईसा मसीह ने कहा था-

'अपने शत्रुओं से प्रेम करो, जो तुमको सताते हैं उनके लिए प्रार्थना करो।'

ईसाई धर्म का मूल है क्षमा, प्रेम और सेवा।

- उन्होंने किसी को पत्थर मारने की बजाय उसका हाथ पकड़ा।

- पीड़ा सहकर भी कहा- 'हे पिता! इन्हें क्षमा कर, ये नहीं जानते ये क्या कर रहे हैं।'

बुद्ध का मध्यम मार्ग - अहिंसा का वैश्विक प्रकाश

बुद्ध ने युद्ध देखे थे। उन्होंने सत्ता त्याग कर दुनिया को सिखाया -

'क्रोध से क्रोध नहीं मिटता, प्रेम से ही क्रोध समाप्त होता है।' उन्होंने राज्य के युवराज होकर भी शस्त्र नहीं, शांति को चुना। उनके अनुयायी आज भी दया, करुणा, मैत्री और सम्यक दृष्टि को जीवन का आधार मानते हैं।

खान साहब ने कर के भी दिखाया

खान अब्दुल गफ्फार खान का मानना था कि पख्तून समाज में हिंसा और प्रतिशोध की प्रवृत्ति ने समाज को पीछे कर दिया था। पख्तूनों में परंपरागत रूप से एक लड़ाकू और बहादुर मानसिकता रही थी, लेकिन उन्होंने इस मानसिकता को अहिंसा और सत्य के मार्ग में बदलने की ठानी। गांधीजी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने अपने समुदाय को यह समझाया कि 'हिंसा का कोई समाधान नहीं होता, और यह समाज को केवल और अधिक नुकसान पहुँचाता है' यह बात पख्तून समुदाय के लोग, जिन्होंने पहले अपनी ताकत और साहस को हथियारों से नापने का तरीका अपनाया था, अब उन शस्त्रों को छोड़कर 'खुदाई खिदमतगार' (God's Servants) के रूप में एक अहिंसक आंदोलन में शामिल हुए।

अहिंसा के सिद्धांत पर संविधान

अगर हम भारतीय है और भारत हमारा है तो संविधान को देखना जरुरी है जो शांति, न्याय और अहिंसा के सिद्धांतों पर आधारित है। इसमें 'बंधुता' और 'समाजवाद' की भावना को स्थान दिया गया है, जो दर्शाता है कि हमारा रास्ता संवाद और समझ से विवादों का हल निकालना है, न कि युद्ध से। गांधी और बुद्ध के आदर्शों की तरह, संविधान भी अहिंसा को सर्वोच्च मानता है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना हमें सिखाती है कि सम्पूर्ण पृथ्वी एक परिवार है। भारत ने हमेशा शांति और अहिंसा का मार्ग अपनाया है, और यही सिद्धांत पाकिस्तान और दुनिया के अन्य देशों को भी समझाना जरूरी है इसकी पहल भारत को करनी चाहिए।

पाकिस्तान और दक्षिण एशिया- हमें कैसा भविष्य चाहिए?

पाकिस्तान को समझना होगा कि हिंसा और आतंकवाद का रास्ता न तो स्थायी है, न सम्मानजनक। हर गोली, हर बम, हर आतंकी हमला केवल दर्द और नफ़रत का बीज बोता है। भारत और पाकिस्तान एक ही सांस्कृतिक धारा से निकले हैं। हमारे संगीत, भाषा, पहनावा, इतिहास- सब कुछ साझा है। क्या हम इस साझा विरासत को युद्ध की राख में जलने देंगे? अब समय है पाकिस्तान को भी यह समझने का आगे बढ़ना है तो बात करनी होगी, रास्ता निकालना होगा नहीं तो यह ख़तम हो जायेगा और कई धार्मिक नफरत के बीज बो कर जायेगा।

दुनिया के देशों की ज़िम्मेदारी- वैश्विक अपील

आज दुनिया को तटस्थ दर्शक नहीं, साझेदार बनना होगा। संयुक्त राष्ट्र, विश्व धार्मिक संगठन, शांतिदूत देश - सबको आवाज़ उठानी होगी कि 'हमें युद्ध नहीं चाहिए।' आज दुनिया के सामने दो रास्ते हैं- या तो हथियार उठाएँ और सब कुछ मिटा दें, या विचार और संवाद से नया भविष्य बनाएं।

हमें चाहिए कि अमेरिका, चीन, यूरोप, खाड़ी देश- सब मिलकर "No More War – LetÓs Talk Peace" अभियान चलाएं।

युवाओं की भूमिका - एक नई शांति क्रांति

आज का युवा केवल डिजिटल योद्धा न बने, वह शांति का सैनिक बने। सोशल मीडिया पर युद्ध की ललकार नहीं, शांति की पुकार बुलंद हो। हर कॉलेज, हर गाँव, हर मोहल्ले में एक नारा गूंजे- हमें युद्ध नहीं, गाँधी और बुद्ध चाहिए।

आइए, हम सब मिलकर कहें

'हम युद्ध नहीं चाहते। हम गाँधी चाहते हैं, हम बुद्ध चाहते हैं। हम शांति और संवाद चाहते हैं । हम पूरे विश्व को एक परिवार मानते हैं- और परिवार में बात की जाती है, लड़ाई नहीं।'

समाजसेवी अजय चौधरी भोज सहकारी साख संस्था मर्या.धार के अध्यक्ष बने

धार । मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी, नियम 1982 के नियम 49 च (1) के अंतर्गत भोज सहकारी साख संस्था मर्या धार (मप्र) संचालक मण्डल व पदाधिकारियों का निर्वाचन विशेष साधारण सभा में निर्वाचन अधिकारी भूदीप कुमार सक्सेना द्वारा विधिवत संपन्न करवाया गया। चुनाव अधिकारी भूदीप कुमार सक्सेना द्वारा धार के समाजसेवी अजय चौधरी को निर्विरोध संस्था का अध्यक्ष चुना गया। साथ ही संस्था में उपाध्यक्ष सहित 11 सदस्य भी मनोनीत किए गए है। अजय चौधरी पूर्व में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित धार के कर्मचारी, सहकारी साख संस्था के 2 बार अध्यक्ष रहे हैं। गौरतलब है कि अजय चौधरी रोटरी क्लब सहित अन्य सामाजिक संगठनों में अनेक महत्वपूर्ण दायित्व निभा चुके है। अध्यक्ष चुने जाने पर अजय चौधरी एवं सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी गई। श्री चौधरी के अध्यक्ष बनने पर शुभचिंतकों, मित्रों एवं सामाजिक संगठनों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सुनील दौराया, धर्मेन्द्र जोशी, अशोक शास्त्री, पंडित गोटू शुक्ला, पंकज शर्मा, देवराज सिंह सिकरवार, डॉ. तरूण जोशी, नवीन गर्ग, सलिल यादव, मनीष महाजन, निलेश जोशी, अजय जोशी, राजेश शर्मा, कमल बोरीवाल,सुनील कर्नावट, संतोष राठौड़, ऋषि वर्मा, स्वप्निल राहलेकर, डा. दिलीप पटेल, अवध द्विवेदी सहित मित्रों एवं शुभचिन्तकों ने बधाई दी है।

भाजपा धार नगर सेनापति मंडल और कुशाभाऊ ठाकरे मंडल कार्यकारिणी घोषित

धार। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती की सहमति से धार विधानसभा के सेनापति मंडल और कुशाभाऊ ठाकरे नगर मंडल अध्यक्ष ने अपनी मंडल समिति की घोषणा की गई। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि दोनों मंडल पदाधिकारी इस प्रकार हैं - सेनापति मंडल महामंत्री अमित शर्मा और सीमा सोनी, उपाध्यक्ष -लक्ष्मी बाई नरोले रंजना राठौड़ विजेंद्र ठाकुर महेश तुलसीराम बोडने चंचल पालोड़िया,मंडल मंत्री दिनेश चौहान जीवन यादव अंकित जैन,दिनेश चौहान,हर्ष शैलेन्द्र यादव, कोषाध्यक्ष मनीष साधु सह - कोषाध्यक्ष मनोहर लोहार कार्यालय मंत्री शैलेन्द्र चौरसिया सह कार्यालय मंत्री महेश कदम मंडल मीडिया प्रभारी विशाल माली सह मीडिया प्रभारी शुभम उपाध्याय आईटी सेल प्रभारी नवीन भंवर सह आईटी सेल प्रभारी मुनेन्द्र तिवारी मन की बात प्रभारी अनिता बौरासी सह प्रभारी पंकज मेरवानी को बनाया गया है।

कुशाभाऊ ठाकरे मंडल पदाधिकारी - मंडल महामंत्री राकेश रॉकी आहूजा और सुरेश प्रजापत मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र राठौड़ मनीष चौहान केशव अग्रवाल अभिषेक मिश्रा सुश्री प्रतिभा शर्मा चैतन्य राठौर नगर मंडल मंत्री अतुल फकीरा संतोष कुशवाहा पप्पू डामोर मांगीलाल जमुना बघेल श्रीमती सागर परमार कोषाध्यक्ष रवि देवासकर कार्यालय मंत्री अंकित वर्मा सह कार्यालय मंत्री विष्णु राठौर मंडल मीडिया प्रभारी राजेश सिसोदिया आईटी प्रभारी अनिल राठौड़ सोशल मीडिया प्रभारी तन्मय जैन मन की बात प्रमुख अजय गावड़े व्हाट्सएप ग्रुप प्रमुख राजेश डोड लाभार्थी प्रमुख देवेंद्र शर्मा बीएलए प्रमुख नितिन चौहान को बनाया गया है।

नेशनल लोक अदालत आज

बैतूल। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश चन्द्र थपलियाल के मार्गदर्शन में आज 10 मई शनिवार को जिला मुख्यालय जिला न्यायालय बैतूल एवं तहसील अंतर्गत सिविल न्यायालय मुलताई, भैंसदेही, आमला में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उक्त लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयों में लंबित समस्त प्रकार के सिविल, आपराधिक प्रकरण, चेक बाउंस के प्रकरण, धन वसूली संबंधी मामले, मोटर दुर्घटना से संबंधित मामले, श्रम, विद्युत चोरी, वैवाहिक मामले, भूमि अधिग्रहण संबंधी मामले, राजस्व संबंधी मामले एवं अन्य दीवानी मामलों का निराकरण लोक अदालत में किया जाएगा है।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश चन्द्र थपलियाल द्वारा प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला मुख्यालय बैतूल एवं तहसील स्तर मुलताई, भैंसदेही एवं आमला के लिये कुल 26 खंडपीठ का गठन किया गया है। लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों में राजीनामा/निराकरण होने पर कोर्ट फीस की पूर्ण वापसी हो जाती है। न्यायालय प्रक्रिया में लगने वाले समय एवं धन की बचत तथा आपसी कटुता का अंत हो जाता है। नगरपालिका, नगर परिषद द्वारा सम्पत्तिकर एवं जलकर के प्रकरणों में अधिभार (सरचार्ज) में नियमानुसार छूट दी जा रही है। मप्र. नगर पालिका निगम अधिनियम, 1956 की धारा 162 व 163 तथा म.प्र. नगर पालिका अधिनियम की धारा 130, 131 तथा 132 में निहित शक्तियों को उपयोग में लाते हुए राज्य शासन द्वारा सम्पत्ति कर अधिभार (सरचार्ज) जल उपभोक्ता प्रभार (सरचार्ज) में नियमानुसार छूट दी जा रही है।

विधायक खंडेलवाल ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह, खेलों के महत्व के प्रति किया जागरूक

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झरिया के मार्गदर्शन में जिला खेल और युवा कल्याण विभाग, जिला प्रशासन के सहयोग से ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 5 मई से 5 जून 2025 तक संचालित किया जा रहा है। जिला खेल और युवा कल्याण विभाग बैतूल द्वारा जिले में मुख्यालय पर 8 खेलों- हॉकी, कराते, कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, खो-खो, एथलेटिक्स खेलों एवं समस्त विकासखण्डों में प्रचलित 2 खेलों में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किये जाने एवं उत्तम खेल तकनीक सिखाये जाने के उद्देश्य से खेल और युवा कल्याण विभाग बैतूल द्वारा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल विधायक के मुख्य आतिथ्य में खेल सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को स्थानीय मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में किया गया। इस दौरान बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी पूजा कुरील द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण दे रहे प्रशिक्षकों को विभाग की ओर खेल सामग्री का वितरण किया, जिससे प्रशिक्षक खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय खेल अभ्यास करा सके। विधायक श्री खंडेलवाल ने खेलो बढो अभियान को आगे बढाते हुये खिलाड़ी बच्चों को खेल की महत्ता, रुचि, भागीदारी बढ़ाने एवं नए खिलाड़ियों को विकसित कर गौरवान्वित करने के लिए प्रोत्साहित किया। विधायक श्री खंडेलवाल ने युवा पीढ़ी को देश की रक्षा में योगदान देने का आह्वान किया। जिला खेल अधिकारी पूजा कुरील द्वारा खेलो बढ़ो अभियान के तहत खेलों से जोड़ने एवं आगे बढ़ने के लिए विभाग की योजनाओं की जानकारी दी।

शालाओं और अखाड़ों को भी खेल सामग्री का किया वितरण- इसके अलावा जिले में संचालित व्यायाम शालाओं, अखाड़ों को खेल सामग्री, खेल उपकरण का वितरण किया गया। इस अवसर पर सीए एसोसिएशन अध्यक्ष प्रदीप खंडेलवाल, रमेश भाटिया, मुकेश वर्मा, हॉकी संघ अध्यक्ष अक्षय वर्मा, सचिव जागेंद्र सिंह तोमर, शैलेश गुबरेले, कुश्ती संघ अध्यक्ष सतीश महाते, शारिक खान एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नीलिमा पीटर, सहायक प्राध्यापक डॉ. शीतल खरे, अखाड़ा परिवार मूलचंद यादव, समस्त जिला खेल प्रशिक्षक, खेल प्रशिक्षक, समस्त युवा समन्वयक एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

समर कैंप में सीख रहे हैं विद्यार्थी विभिन्न विधाओं का कौशल,दुनावा पीएम श्री विद्यालय में आयोजित हो रहा है समर कैंप

मुलताई। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुनावा समर कैंप में कक्षा छठवीं से आठवीं एवं नवमी से 12वीं कक्षा के लगभग 80 छात्र छात्राएं प्रतिदिन समर कैंप में आयोजित होने वाले विभिन्न विधाओं की कक्षाओं में भाग ले रहे हैं। पीएम श्री शाला में आयोजित होने वाले इस समर कैंप की कक्षाएं सुबह 8 बजे से 11 तक चलती है जिसमें विद्यार्थी खेल गतिविधियों के साथ ही विभिन्न कौशल सीख रहे हैं।विद्यालय के प्राचार्य केशव राव घागरे ने समर कैंप के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस कैंप में विद्यार्थियों को ध्यान, योग,इंग्लिश स्पोकन, डिजिटल टूल्स का उपयोग, चित्रकला एवं पेंटिंग,लोक हस्तकला, आईज ब्रेकर एक्टिविटी एवं गेम ,डिजिटल वित्तीय साक्षरता, पोस्टर मेकिंग ,पारंपरिक नृत्य/ संगीत, पारंपरिक एवं स्थानीय खेल सिखाए जा रहे हैं अंग्रेजी भाषा की नियमित कक्षाएं भी चल रही है। दिव्या मालवीय द्वारा नृत्य एवं संगीत सिखाया जाता है, इंग्लिश स्पोकन की शिक्षा रवि मालवीय द्वारा दी जा रही है। मीना रविदास द्वारा डिजिटल वित्तीय साक्षरता (फोन पे ,बैंक से लेनदेन) के बारे में बताया जा रहा है एवं खेल व योग का शिव अवस्थित द्वारा सिखाया जा रहा हैं।

श्री विनायकम स्कूल के नि :शुल्क समर कैंप में अतिथियों ने देखा विविध रोचक विधाओं का अद्भुत संगम

बैतूल। सीबीएसई से मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान श्री विनायकम स्कूल द्वारा आयोजित नि:शुल्क समर कैंप में विभिन्न रोचक गतिविधियों द्वारा विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। इस नि:शुल्क समर कैंप में पढ़ाई, खेलकूद एवं को-करिकुलर एक्टिविटीज का अद्भुत मिश्रण देखने को मिल रहा है। इस समर कैंप के आठवें दिन प्रसिद्ध मेकओवर आर्टिस्ट व कुकिंग एक्सपर्ट रुचि बत्रा एवं जानीमानी पाक कला विशेषज्ञ पल्लवी भल्ला अतिथि के रूप में श्री विनायकम स्कूल पधारे। साथ ही विज्ञान के शैक्षणिक संवर्धन के लिए मैजिक विद साइंस एक्टिविटी में अतिथि के रूप में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर लोकेश झरबड़े भी स्कूल पधारे। मैजिक विद साइंस एक्टिविटी में बच्चों ने सोडियम एक्टिविटी एवं कैल्शियम कार्बाइड एक्टिविटी के अंतर्गत रासायनिक क्रियाओं पर रोचक प्रजेंटेशन दिया। इस समर कैंप की प्रशंसा करते श्री झरबड़े ने कहा कि उन्होंने पहली बार किसी समर कैंप में फन बेस्ड एक्टिविटीज के साथ-साथ प्रायोगिक पढ़ाई से संबंधित सुनियोजित वर्कशॉप देखी। जहां बच्चे विज्ञान का प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं।

फायरलेस कुकिंग के अंतर्गत ग्रेड 9 से 12 में बच्चों द्वारा शाही टुकड़ा एवं ब्रेड वेज सैंडविच बनाया गया। ग्रेड 3 से 8 में दिलबहार मिठाई एवं नर्सरी से ग्रेड 2 में अंकुरित अनाज से भरपूर स्प्राउट चाट बनाई गई। श्रीमती रुचि बत्रा और श्रीमती पल्लवी भल्ला ने बच्चों की स्किल्स डेवलपमेंट हेतु विद्यालयीन प्रयासों की सराहना करते कहा कि विद्यालय में बिना किसी आउटसोर्सिंग के एकेडमिक टीचर्स द्वारा व्यवस्थित तरीके से विविध रोचक विधाओं को संचालित किया जाता, जो प्रशंसनीय है। साथ ही इतने विस्तृत रूप से सभी बच्चों के लिए इतनी सारी एक्टिविटीज, वो भी नि:शुल्क। ये वास्तव में अनुकरणीय है। इस समर कैंप में बच्चों की अभिनय क्षमता एवं रंगमंच से संबंधित कौशल संवर्धन हेतु ड्रामा क्लासेज एवं ओपन माइक वर्कशॉप का संचालन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत बच्चों के भीतर छुपी हुई प्रतिभाओं को मंच मिल रहा है। इस नि:शुल्क समर कैंप में नर्सरी से लेकर ग्रेड 12 के विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्वीकृत समस्त कार्य तीन दिन में प्रारंभ करें : जैन

जिला पंचायत सीईओ ने खंडारा और खेड़ी सांवलीगढ़ सेक्टर का किया औचक निरीक्षण

बैतूल। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत स्वीकृत खेत तालाब, डगवेल रिचार्ज, चेकडेम जैसे समस्त कार्य आगामी तीन दिवस की अवधि में प्रारंभ कर 15 दिनों में पूरा करना सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने शुक्रवार को जनपद पंचायत बैतूल के खंडारा एवं खेडीसावलीगढ सेक्टर के औचक निरीक्षण के दौरान सेक्टर मुख्यालय पर आयोजित सहायक यंत्री, उप यंत्री, सचिव, ग्राम रोजगार सहायकों की समीक्षा बैठक में दिए।

जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने उपस्थित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि पूर्व से लंबित जल संवर्धन, संरक्षण के कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण कराया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों से निरंतर संपर्क किया जाकर समस्त आवास समय सीमा में पूर्ण कराए जाए। समग्र ई-केवायसी शत प्रतिशत पूर्ण किये जाने के लिए ग्राम स्तर पर ऐसे स्थान चिन्हित किए जाए जहां पर ग्रामीण अधिक संख्या में एकत्रित होते है वहां पर ग्रामीणों से संपर्क किया जाएं। किसी भी ग्राम में पेयजल समस्या होने पर तत्काल उप यंत्री, सचिव, जीआरएस एवं सरपंच द्वारा पीएचई/ जनपद पंचायत के संज्ञान में लाकर समाधान के लिए प्रयास किये जाए।

ज्ञानोदय इंग्लिश स्कूल भौरा का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट

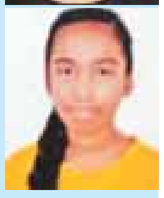

बैतूल/भौंरा। गत दिनों माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा घोषित दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित किये गये जिसमें स्थानीय विद्यालय ज्ञानोदय इंग्लिश स्कूल भौंरा द्वारा संचालित ज्ञानदीप शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति भौरा का कक्षा 10 वी का वार्षिक परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा ।विद्यालय की छात्रा चाहत पिता राजू आरसे 93त्न के साथ प्रथम स्थान, श्रेया माथनकर पिता दामोदरराव माथनकर 89त्न द्वितीय स्थान, चारू पिता संजीव झरबड़े 88त्न तृतीय स्थान प्राप्त किया संस्था के कुल 15 छात्र/छात्रा ने प्रथम श्रेणी एवं 05 ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की है। छात्र/ छात्रा की सफलता एवं उज्जवल भविष्य की कामना और शिक्षक / शिक्षिकाओं की मेहनत की सराहना ज्ञानदीप शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति, स्कूल प्राचार्य, अभिभावकों एवं ग्रामवासियों ने की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया बीज एकत्रीकरण

नदी तटों पर कटाव रोकने और हरित पट्टी विकसित करने की दिशा में पहल

बैतूल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद घोड़ाडोंगरी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत जिले की प्रमुख नदियों ताप्ती, तवा, पूर्णा, वर्धा, माचना तथा स्थानीय देनवा नदी के किनारों पर मिट्टी कटाव रोकने एवं हरित क्षेत्र विकसित करने के लिए पौधरोपण और सीडवाल निर्माण की व्यापक योजना बनाई गई है। इस क्रम में घोड़ाडोंगरी की अर्जुन गोंदी पहाड़ी से अर्जुन, करंज, तेंदू, नीम आदि बहुवर्षीय प्रजातियों के लगभग 5 क्विंटल बीज एकत्रित किए गए हैं। यह बीज आगामी हरियाली अमावस्या से शुरू होने वाले वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत नदियों के किनारों पर सीडवाल के रूप में लगाए जाएंगे। साथ ही नवांकुर संस्थाओं द्वारा निर्मित स्थानीय नर्सरियों में इन बीजों से पौधे तैयार कर उन्हें नदियों और पहाड़ियों के किनारे रोपा जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण एवं जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन में योगदान मिलेगा। बीज एकत्रीकरण के इस महत्वपूर्ण अभियान में विकासखण्ड समन्वयक सन्तोष राजपूत के मार्गदर्शन में ग्राम कान्हावाड़ी के पूर्व सरपंच नरेंद्र उइके एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

पूजा करने ताप्ती तट गई महिला की सरोवर में डूबने से मौत,जानलेवा साबित हो रही है घाटों की फिसलन

बैतूल/मुलताई। बीती रात मुलताई के ताप्ती सरोवर के गायत्री मंदिर के सामने स्थित हनुमान मंदिर के पास एक महिला की सरोवर में गिर कर डूबने से मौत हो गई। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनगर निवासी 60 वर्षीय रामरति हजारे ताप्ती सरोवर पर पूजा करने गई थी इस दौरान उस की डूबने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, घाट पर काई जमी होने से महिला का संतुलन बिगड़ गया। वह सरोवर में गिर गईं। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसआई ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह दुर्घटना प्रतीत होती है। घाट पर मृतिका की चप्पल व्यवस्थित मिली है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

ताप्ती घाट पर फिसलन से आए दिन हो रहे हैं हादसे-ताप्ती घाट पर जमी काई और फिसलन के चलते आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। ताप्ती तट पर स्थित दुकानदारों ने बताया कि फिसलन के चलते या छुटपुट घटनाएं आम बात है किंतु इसके साथ ही अब बड़ी घटनाएं भी होने लगी है। जिसके चलते प्रशासन को इसे गंभीरता से लेना चाहिए । हनुमान घाट पर जहां बीती रात हादसा हुआ वहा तो फिर भी पुराने काले पत्थर है जहां पर फिसलन कम है किंतु इसके अलावा रामघाट और आरती घाट यहां पर तो घाट के पत्थरों पर पैर रखना कठिन है आरती घाट पर भी बीते दिनों दुर्घटना का मामला सामने आया था। हालांकि नगर पालिका ने ताप्ती तट के घाटों पर सुरक्षा रस्सी बांधी है किंतु यह पर्याप्त उपचार नहीं है। घाटों पर फिसलन के कारण दुर्घटनाएं ना हो इसके लिए नगर प्रशासन को ठोस कदम उठाने होंगे।

गुरुनानक जन्म स्थान ननकाना साहिब को भारत में मिलाया जाए

प्रधानमंत्री के नाम से अधिवक्ताओं ने सौपा ज्ञापन

बैतूल/मुलताई। पवित्र नगरी मुलताई के सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ताओं ने प्रधानमंत्री के नाम पत्र अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सौंप कर भारत सरकार से मांग की है कि गुरुनानक साहब के जन्म स्थान ननकाणा साहिब को भारत में मिलाया जाए। सौपे गए इस पत्र में कहां गया है कि तीनों सेनाओं ने मिलकर 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, ये ऑपरेशन पाकिस्तान और उसके आतंकी मंसूबों को करारा जवाब है। पत्र में कहा है कि विभाजन 1947 की ढुलमुल नीति के कारण पंजाब के विभाजन में ननकाणा साहिब जी, जो कि भारत से लगभग 10 किलोमीटर दूर है, पाकिस्तान में शामिल कर दिया गया। जगत गुरू गुरू नानक साहिब जी का जन्म स्थान ननकाणा साहिब जी है, जो कि पवित्र स्थान है, जहाँ गुरुद्वारा साहिब सुशोभित है। ननकाणा साहिब जी ना केवल सिख समुदाय, बल्कि पुरे विश्व में फैले गुरुनानक नाम लेवा श्रद्धालुओं के लिये पवित्र पूजनीय स्थान है जैसे हिन्दू धर्म के लिये श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या, मुस्लिम धर्म के लिये मक्का मदीना पवित्र है, वैसे ही सिख धर्म एवं गुरु नानक नाम लेवा श्रद्धालुओं के लिये गुरू नानक साहिब जी की जन्म भूमि ननकाणा साहिब जी पवित्र है। सिख एवं गुरुनानक नाम लेवा अनुयायी प्रतिदिन अपनी अरदास (प्रार्थना) मे ईश्वर से कहते है इसलिए हम मांग करते हैं कि जगत गुरु नानक साहिब जी की जन्म भूमि ननकाणा साहिब जी को भारत में शामिल किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में अधिवक्ता डॉ. हरप्रीत कौर खुराना, अधिवक्ता प्रमोद कोसे, एस. आर. कनेरे, नरेंद्र बेले, करण साहू, दीपक उघड़े आदि शामिल है।

जवान सीमा पर, किसान खेत में और कृषि मंत्रालय भी कोई कसर नहीं छोड़ेगा : शिवराज सिंह

वर्तमान परिस्थितियों में देश का कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय भी पूरी तरह से तैयार है

देश में अन्न के भंडार भरे हैं, फल-सब्जियां भी पर्याप्त, किसी चीज की कोई कमी नहीं

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर आज कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और ग्रामीण विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में श्री शिवराज सिंह ने कहा कि भारत माता के चरणों में सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए पूरा देश तत्पर है।

एक तरफ सीमा पर हमारे जवान तैनात है, पाकिस्तान के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है, दूसरी तरफ खेतों में किसान तैयार है, उनके साथ वैज्ञानिक और कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय भी अपनी ड्यूटी समझते हुए पूरी तरह से तैयार है। कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगा।

बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारियों से फसल बुआई, खाद्यान्न, फल-सब्जी उत्पादन तथा उपलब्धता की जानकारी लेने के साथ मौजूदा परिस्थितियों में किसानों को कहीं-कोई दिक्कत नहीं आने देने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करना हमारे देश का संकल्प है। आतंकवादियों को हम नहीं छोड़ेंगे, उनके ठिकाने, उनके अड्डे तबाह करने के लिए कड़ी कार्रवाई की गई है। हमने नागरिकों को निशाना नहीं बनाया है, लेकिन पाकिस्तान जिस तरह से नापाक हरकत कर रहा है, सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है। हर जगह पाकिस्तान मुंह की खा रहा है। हमें अपनी सेना पर, उनके पराक्रम-शौर्य पर गर्व है। श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि विभाग के नाते हमारी भी जिम्मेदारी है। हमारी जवाबदारी है खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित करना। गेहूं, चावल व अन्य अनाज हमारे पास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। बंपर उत्पादन हुआ है, किसानों से खरीद भी जारी है। कल ही हमने खरीफ कांफ्रेंस में भी विस्तार से चर्चा करके खेती के संबंध में रूपरेखा निर्धारित की है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने मीडिया से चर्चा में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने नारा दिया था जय जवान-जय किसान, पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जोड़ा-जय विज्ञान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसमें जोड़ा-जय अनुसंधान। जवान तैयार है, किसान तैयार है व वैज्ञानिक भी तैयार है, उनका अनुसंधान भी काम आएगा। यह संतोष की बात है कि हमारे पास अन्न के भंडार इस समय भरे हुए हैं। श्री चौहान ने बताया कि वर्ष 2023-24 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 3322.98 लाख मीट्रिक टन था, जो 2024-25 में बढ़कर 3474.42 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। चावल की भी कोई कमी नहीं है, पिछले साल के 1378.25 लाख मीट्रिक टन के मुकाबले इस साल 1464.02 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हुआ है। गेहूं पिछले साल था 1132.92 लाख मीट्रिक टन, जो इस बार 1154.30 लाख मीट्रिक टन उत्पादन अनुमानित है, जिसमें और बढ़ोत्तरी की उम्मीद है। श्री शिवराज सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों को भी बधाई दी, जिनके द्वारा विकसित किस्मों व शोध के कारण बढ़ते हुए तापमान में भी उत्पादन में वृद्धि हो रही है। गेहूं-चावल दोनों का उत्पादन एक साल में चार से पांच प्रतिशत बढ़ा है। श्री शिवराज सिंह ने बताया कि दालों का उत्पादन भी भरपूर हुआ है, जो 242.46 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 250.97 लाख मीट्रिक टन हो गया, वहीं कुल तिलहन 396.69 लाख मीट्रिक टन से 428.98 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हो गया है। उन्होंने बताया कि फल-सब्जियों की भी चिंता नहीं है, बागवानी फसलों का उत्पादन भी पिछले साल के 3547 लाख मीट्रिक टन की तुलना में 3621 लाख मीट्रिक टन हो गया है। आलू पिछले वर्ष 570.53 लाख मीट्रिक टन था, जो इस बार 595.70 लाख मीट्रिक टन है। प्याज 242.67 लाख मीट्रिक टन था, जो इस साल 288.77 लाख मीट्रिक टन है। इसी तरह, टमाटर 213. 23 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 215.49 लाख मीट्रिक टन है। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने किसानों से उपज खरीद की भी जानकारी दी और बताया कि 8 मई तक की स्थिति में, वर्ष 2024-25 में 539.88 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। इसी तरह, 8 मई तक 267.02 लाख मीट्रिक टन गेहूं किसानों से खरीदा जा चुका है और यह सिलसिला जारी है। चावल-गेहूं के भंडार भरे हैं, दालों का बफर स्टाक हमारे पास है, किसी चीज की कोई कमी नहीं है। अगली फसल के लिए भी किसान तैयार है, कल ही खरीफ कांफ्रेंस हुई और हमने तय किया है कि खरीफ सीजन में उत्पादन कैसे बढ़ें, इसके लिए वैज्ञानिक व कृषि कर्मचारी मैदान में निकलेंगे। कृषि मंत्रालय का यह संकल्प है कि हमारी जनता को इन परिस्थितियों में खाद्यान्न की कोई कमी नहीं आएं, खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित की है, किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है, भरपूर भंडार है हमारे पास, जितनी जरूरत होगी, उतना खाद्यान्न उपलब्ध है।

शिवराज सिंह ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में कई बार गांव खाली कराए जाते हैं तो ऐसे में हम यह आंकलन भी कर रहे हैं कि वहां अभी कौन-सी फसल बोई जाती है, जिसके लिए बीज व प्लांटिंग मटेरियल भी हम तैयार रखेंगे। अगर थोड़ी-बहुत लेट भी बोवनी होती है तो उस परिस्थिति में उन्हें क्या आवश्यकता होगी, उसकी चिंता भी हम करेंगे। हम जम्मू-कश्मीर व पंजाब जैसे राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी चर्चा करेंगे व अधिकारियों के स्तर पर भी संवाद होगा कि उन्हें किन चीजों की इन परिस्थितियों में जरूरत है, उसका भी इंतजाम करके रखेंगे। श्री शिवराज सिंह ने बताया कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने भी तय किया है कि ऐसी परिस्थितियों में कहीं से यदि हमारे भाई- बहन आते है तो रोजगार की व्यवस्था तत्काल कर दी जाएं। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश हर दिशा में आगे बढ़ रहा है और देश पूरी तरह से तैयार है, जिनके साथ कृषि व ग्रामीण विकास विभाग भी तैयार है। हमारे अधिकारी-कर्मचारी रक्तदान भी करना चाहते हैं। 14 मई को केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी रक्तदान करेंगे, इस समय हम सभी केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से भी देश सेवा के लिए तत्पर है।

---

3 डीआर आदेश दुर्भाग्यपूर्ण, सीएम दखल दें

भोपाल। वित्त विभाग द्वारा हाल ही में शासकीय सेवकों को 1 जुलाई 2024 से 3 प्रतिशत एवं 1 जनवरी 2025 से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ते के एरियर्स सहित भुगतान आदेश जारी किये है, वहीं प्रदेश के पेंशनरों/परिवार पेंशनरों को 1 जुलाई 24 के स्थान पर 1 मार्च 2025 से 3% DR देने के आदेश को पेंशनरों ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने आरोप लगाया कि छग की सहमति के नाम पर सरकार कई वर्षों से पेंशनरों का आर्थिक शोषण कर रही है जोशी ने सरकार पर पेंशनरों के महंगाई राहत एरियर्स राशि हड़पकर अन्य पर खर्च करने का भी आरोप लगाया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने दोनों राज्य सरकार पर मध्य प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 अनुसूची 6 को पेंशनरों पर जबरन थोपने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब दोनों राज्य नवंबर 2000 से बिना सहमति पेंशन दे रहे हैं तो DR देने से पहले दोनों राज्यों की सहमति क्यों, स्पष्ट है की सहमति के नाम पर दोनों राज्य संविधान विरोधी आदेश जारी कर पेंशनरों के साथ भेदभावपूर्ण बर्ताव कर रहे हैं। सक्सेना ने मुख्यमंत्री से इसमें हस्तक्षेप की मांग की है। भोपाल के अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने सहमति के प्रावधान को संविधान विरुद्ध बताते हुए वित्त मंत्री से अधिनियम का परीक्षण कर सार्वजनिक करने की मांग की है।

पृथ्वी पर जब जब अनाचार, अत्याचार,पाप बढ़ता है,तब तब परमात्मा अवतार लेते हैं : कथावाचक गुरु साहब शर्मा

श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में मना श्रीकृष्ण जन्म

सुबह सवेरे सोहागपुर। धरती पर जब-जब अनाचार अत्याचार,पाप बढ़ता है, तब तब परमात्मा मनुष्य रूप में अवतार लेकर लीला के माध्यम से भक्तों के कष्टों को दूर

करते हैं। उक्त उद्गार श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में कथावाचक गुरु साहब शर्मा ने पिपरिया नर्मदापुरम राज्य मार्ग 22 के निकट शिव पार्वती मंदिर परिसर में आयोजित कथा में कहें। आपने आगे कहा कि कंस अपनी बहिन देवकी से इतना स्नेह रखता था कि बड़ी धूमधाम से अपनी बहन देवकी का विवाह वासुदेव के साथ ब धूमधाम से कराया था। जब कंस बहन देवकी को स्वयं ससुराल तक छोड़ने के लिए सारथी बनकर जा रहा था। तभी रास्ते में आकाशवाणी हुई कि कंस तुझे मारने वाला देवकी के गर्भ से ही जन्म लेगा। आकाशवाणी सुनते ही कंस ने तलवार निकाली और देवकी को मारने का प्रयास किया। लेकिन वासुदेव ने कंस से प्रार्थना करते कहा कि हमारा जो भी पुत्र होगा। मैं उन्हें तुम्हें सौंप दूंगा। तुम कृपया करु मेरी पत्नी देवकी को मत मारो।इसके बाद कंस ने देवकी तथा वासुदेव को कारागार में डाल दिया। कंस ने एक एक करके 6 संतानों को मार दिया सातवें पुत्र के रूप में योग माया ने जन्म लिया। जब आठवें पुत्र के रूप में भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ। तब कारागार के दरवाजे अपने आप खुल गए। पहरेदार सो गए। वासुदेव जी ने घनघोर वर्षा में यमुना मैया को पार करते हुए। भगवान् श्रीकृष्ण को नंद बाबा के यहां मध्य रात्रि में छोड़कर चले आए। परमात्मा मनुष्य रूप में अवतार लेकर लीला के माध्यम से भक्तों के कष्टों को दूर करते हैं। बड़ी धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर महिलाएं श्रीकृष्ण को दुलार करने के साथ झूमकर झूमकर नृत्य करने लगी।समिति सदस्य अधिवक्ता शिवकुमार पटेल,धन सिंह रघुवंशी ने बताया परसों रात्रि कथा में राम राज्याभिषेक के अवसर पर शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसी के साथ दोपहर श्रीमद्भागवत कथा में रुक्मणी विवाह धूमधाम से मनाया जाएगा। यज्ञ की पूर्णाहुति 11 मई को तथा भंडारा 12 मई को शिव पार्वती मंदिर परिसर में आयोजित होगा।

राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर मित्र कन्या शाला में तिरंगा को लेकर प्रार्थना सभा

सुबह सवेरे सोहागपुर। नगर के 150 साल पूर्व स्थापित मित्र कन्या शाला परिसर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के भारत में आने वाले हथियारों, मिसाईलों के हमले को

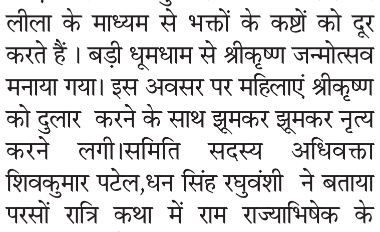

विफल करने पार राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर प्राणों की आहुति के लिए समर्पित सेना के जवानों एवं भारत सरकार को ईश्वर साहस, संबल एवं बल प्रदान करने की राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ स्थानीय मित्र कन्या शाला सोहागपुर में शिक्षक परिवार ने भारत की आन बान और तिरंगे को हाथ में लेकर प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ संजीव शुक्ला बताया कि पड़ोसी राष्ट्र के साथ निर्मित युद्ध की स्थिति में शाला परिवार की ओर से स्टेला मसीह, गुड़िया रघुवंशी, सोनाली यादव, कृतिका यादव, खुश्बू साहू, अफसाना शाह आदि की उपस्थिति में सर्व धर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में शाला प्राचार्य श्री शुक्ला ने वर्तमान परिदृश्य एवं समय की संवेदनशील परिस्थिति की जानकारी दी। उसके उपरांत शांति पाठ ऊं शांति, अंतरिक्ष शांति .....सुनाया गया। इसके पश्चात कृतिका यादव के सर्वे भवन्तु सुखिन मंत्र के पाठ के बाद शहनाज खान ने कुरान की आयत पढ़ी। वहीं सुनीला मसीह ने बाइबिल के वचन सुनाए। अंत में भारत माता के जयकारे के साथ प्राथना का समापन हुआ।

चालू वित्तीय वर्ष में लोडिंग बढ़ाने हेतु समग्र प्रयास किये जाए : महाप्रबंधक

वित्तीय वर्ष 2025 के प्रथम माह में 04.58 मिलियन टन माल लदान किया

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल ने माल लदान में वृद्धि दर्ज करते हुए चालू वित्तीय वर्ष के पहले माह में बेहतर प्रदर्शन किया है। महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग तथा परिचालन विभाग के संयुक्त प्रयासों से चालू वित्तीय वर्ष के पहले माह अप्रैल 2025 में 4.58 मिलियन टन माल लदान किया, जो गत वित्तीय वर्ष अप्रैल 2024 में 4.51 मिलियन टन से लगभग डेढ़ प्रतिशत अधिक रहा।

पश्चिम मध्य रेल पर माल यातायात में कमोडिटी वाइज कई सामग्रियों का लदान किया जाता है। अप्रैल माह में सबसे अधिक कोयला लोडिंग में लगभग 44 प्रतिशत सहित अन्य ट्रैफिक खाद्यान्न, सीमेंट, क्लिंकर, खाद एवं रेल मटेरियल की लोडिंग में वृद्धि दर्ज की है, जिससे पश्चिम मध्य रेल के माल लदान में इजाफा हुआ है। रिव्यू मीटिंग में महाप्रबंधक की निरंतर मॉनटरिंग में बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में फ्रेट लोडिंग बढ़ाने के लिए मुख्यालय एवं तीनों मण्डलों को एक टीम वर्क के साथ समग्र प्रयास किया जाना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक फ्रेट लोडिंग हो सके।

माल यातायात बढ़ाने के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं

- फ्रेट लोडिंग को बढ़ावा देने के लिए पमरे मुख्यालय और तीनों मंडलों में व्यापार विकास इकाइयां (बीडीयू) के तहत नये लोडिंग स्ट्रीम से माल यातायात को बढ़ावा दिया जा रहा है। माल व्यापारियों के साथ निरंतर बैठकें की जाती हैं।
- मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि करके अलग-अलग रेल खण्ड की क्षमता में वृद्धि और इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी बढ़ाया। साथ ही साथ ऑपरेशनल सुधार भी किए गए।
- गुड्स टर्मिनल की वर्किंग में सुधार एवं मालगाड़ियों के डिटेंशन को कम किया गया। इससे मालगाड़ियों के संचालन में तेजी आई और माल ढुलाई में वृद्धि हुई।
- माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएँ शुरू की गईं।
- नए माल गोदामों को विकसित करके उन्नयन कार्य किया जा रहा है।

पश्चिम मध्य रेल में मुख्यालय एवं तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा द्वारा फ्रेट लोडिंग वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

राष्ट्रीय ब्लैकआउट मॉक ड्रिल के तहत एम्स भोपाल में नागरिकों के लिए विशेष सीपीआर प्रशिक्षण आयोजित

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर 7 मई 2025 को देशभर में आयोजित 'ब्लैकआउट मॉक ड्रिल' के अंतर्गत एम्स भोपाल में कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में एक विशेष सीपीआर प्रशिक्षण सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों—चाहे वह युद्ध हो या प्राकृतिक आपदा—में आम नागरिकों की तत्परता और जागरूकता को सशक्त बनाना था। रेज़िडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने इस प्रशिक्षण सत्र में नागरिकों को यह बताया गया कि सीपीआर क्या है, इसे कब देना चाहिए, कैसे देना चाहिए और किन सावधानियों का ध्यान रखना आवश्यक है। मेडिसिन विभाग के सीनियर रेज़िडेंट डॉ. संजय मंडलोई ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति की सांस रुक जाए या दिल की धड़कन बंद हो जाए, तो समय रहते बिना किसी उपकरण के भी सीपीआर देकर उसकी जान बचाई जा सकती है। यह तकनीक इतनी प्रभावी है कि यदि समय पर दी जाए तो 10 में से 7 लोगों की जान बचाई जा सकती है। एम्स भोपाल परिसर के छह विभिन्न स्थलों पर आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 500 से 600 लोगों ने सीपीआर देने की व्यावहारिक तकनीक को सीखा। यह पहल आम जनमानस को न केवल जीवन रक्षक तकनीक से अवगत कराने की दिशा में थी, बल्कि आपदा की स्थिति में उनकी भूमिका को और भी सक्रिय व प्रभावी बनाने की एक सशक्त कोशिश भी रही। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, यह आयोजन केवल एक मॉक ड्रिल भर नहीं था, बल्कि यह नागरिकों को जीवन रक्षक कौशल से लैस करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। हमारा उद्देश्य है कि हर नागरिक 'ब्लैकआउट रेडी 'ही नहीं, बल्कि 'लाइफसेवर रेडी 'भी बने। आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ही प्रभावी आपदा प्रबंधन की आधारशिला होती है।

एम्स भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2025 के उपलक्ष्य में

नर्स सप्ताह के अंतर्गत बीएलएस प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2025 के उपलक्ष्य में 5 मई से 12 मई 2025 तक मनाए जा रहे नर्स सप्ताह समारोह की श्रृंखला में दिनांक 6 मई 2025 को बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन नर्सिंग सेवाओं एवं कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य नर्सिंग पेशेवरों को आपातकालीन परिस्थितियों में रोगियों को त्वरित एवं प्रभावी सहायता प्रदान करने हेतु आवश्यक जीवन रक्षक तकनीकों में दक्ष बनाना था। यह प्रशिक्षण सत्र ट्रॉमा एंड इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के सहयोग से एम्स भोपाल के स्किल लैब में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र का समन्वयन श्री सर्वेश जी एवं श्री महीपाल जी द्वारा किया गया, जिनकी सक्रिय सहभागिता से आयोजन अत्यंत सफल रहा। इस प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व डॉ. सौरभ (सहायक प्राध्यापक, ट्रॉमा एवं आपातकालीन चिकित्सा विभाग), डॉ. पूजा (सहायक प्राध्यापक, ट्रॉमा एवं आपातकालीन चिकित्सा विभाग), श्री हेमंत तथा श्री नेथा जी द्वारा किया गया। इन्होंने प्रतिभागियों को बीएलएस से संबंधित आवश्यक सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रशिक्षण में कुल 32 नर्सिंग पेशेवरों ने भाग लिया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए एवं उन्हें आपातकालीन सेवाओं में दक्षता और तत्परता के साथ कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, नर्सिंग स्टाफ किसी भी अस्पताल की रीढ़ होते हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल उनकी व्यावसायिक दक्षता को बढ़ाते हैं, बल्कि रोगियों की जान बचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बीएलएस जैसे सत्रों से हमारे नर्सिंग पेशेवरों का आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता दोनों सशक्त होती हैं। एम्स भोपाल में हम निरंतर ऐसे प्रयास करते रहेंगे, जिससे हमारी स्वास्थ्यसेवा प्रणाली और अधिक मजबूत बन सके।

बदमाश की गोली से घायल हेड कॉन्स्टेबल ने दम तोड़ा

सतना (नप्र)। सतना में बदमाश के गोली मारने से घायल हेड कॉन्स्टेबल प्रिंस गर्ग ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शुक्रवार सुबह 8 बजे दिल्ली के मैक्स अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके कॉलर बोन में इन्फेक्शन बढ़ता जा रहा था। प्रिंस को गोली मारने वाला आदर्श शर्मा शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया जा चुका है। अब उस पर हत्या का केस चलेगा।

28-29 अप्रैल की दरमियानी रात करीब 12 बजे सतना के जैतवारा थाना परिसर में नकाब पहने आदर्श शर्मा ने प्रिंस को गोली मारी थी। गोली प्रिंस के कंधे के पास लगी थी। आदर्श मौके से फरार हो गया था।

हेड कॉन्स्टेबल प्रिंस गर्ग थाना परिसर में बने बैरक में रहता था। रात को ड्यूटी से लौटकर खाना खाने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान कमरे के बाहर से आवाज आई। प्रिंस बाहर आया और देखा कि एक नकाबपोश युवक खड़ा है। प्रिंस के बाहर आते ही युवक ने कट्टे से उस पर फायर कर दिया।

प्रिंस को पहले संजय गांधी अस्पताल, रीवा फिर निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 7 मई को सेहत बिगड़ने पर रात 1:20 बजे पीएम श्री एयर एंबुलेंस से उन्हें दिल्ली एयर लिफ्ट किया गया था।

'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्यबलों का हार्दिक अभिनन्दन : सर संचालक मोहन भागवत, सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सर संचालक मोहन भागवत एवं सह कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने अपना वक्तव्य जारी किया है।इसकी जानकारी विघाभारती मध्य प्रांत के सह संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल ने इस प्रतिनिधि से साझा किए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सर संचालक मोहन भागवत एवं सह कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि पहलगाम की कायरतापूर्ण आतंकवादी घटना के पश्चात पाक प्रायोजित आतंकवादियों एवं उनके समर्थक पारितंत्र पर की जा रही निर्णायक कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्यबलों का हार्दिक अभिनंदन। हिंदू यात्रियों के नृशंस हत्याकांड में आहत परिवारों को एवं समस्त देश को न्याय दिलाने हेतु हो रही इस कार्रवाई ने समूचे देश के स्वाभिमान एवं हिम्मत को बढ़ाया है।

हमारा यह भी मानना है कि पाकिस्तान में आतंकियों, उनका ढॉचा एवं सहयोगी तंत्र पर की जा रही सैनिक कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक एवं अपरिहार्य कदम है। राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में संपूर्ण देश तन-मन-धन से देश की सरकार एवं सैन्य बलों के साथ खड़ा है। पाकिस्तानी सेना द्वारा भारत की सीमा पर धार्मिक स्थलों एवं नागरिक बस्ती क्षेत्र पर किए जा रहे हमलों की हम निंदा करते हैं और जो इन हमलों का शिकार हुए, उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस चुनौतीपूर्ण अवसर पर समस्त देशवासियों से आह्वान करता है कि शासन एवं प्रशासन द्वारा दी जा रही सभी सूचनाओं का पूर्णत: अनुपालन सुनिश्चित करे। इसके साथ-साथ इस अवसर पर हम सबको अपने नागरिक कर्तव्य का निर्वहन करते हुए यह भी सावधानी रखनी है कि राष्ट्र विरोधी शक्तियों के सामाजिक एकता एवं समरसता को भंग करने के किसी भी षड्यंत्र को सफल न होने दें। समस्त देशवासियों से अनुरोध है कि अपनी देशभक्ति का परिचय देते हुए सेना एवं नागरी प्रशासन के लिए जहाँ भी, जैसी भी आवश्यकता हो, हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर रहे और राष्ट्रीय एकता तथा सुरक्षा को बनाए रखने के सभी प्रयासों को बल प्रदान करे।

एम्स भोपाल ने संकट के समय में राष्ट्र सेवा को सर्वोपरि रखते हुए की उच्च स्तरीय आपात तैयारी

भोपाल। एम्स भोपाल, राष्ट्रीय सेवा में अग्रणी संस्थान होने के नाते, भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सैन्य संघर्ष के मद्देनज़र निरंतर चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करने हेतु सक्रिय कदम उठा रहा है। संस्थान की ओर से 09 मई, 2025 को कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह द्वारा जारी तत्काल कार्यालय आदेश के माध्यम से सभी विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, अनुभाग प्रभारियों एवं अधिकारियों की पूर्ण उपस्थिति एवं सक्रिय सहभागिता को अत्यावश्यक बताया गया है। एम्स भोपाल ने यह स्पष्ट किया है कि संकट की इस घड़ी में, संस्थान की जवाबदेही और कर्तव्य और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। चिकित्सा सेवाओं और संचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक दवाओं, सामग्रियों, उपभोग्य वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना सभी संबंधित कार्मिकों की जिम्मेदारी है। सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे आकस्मिक योजनाओं को लागू करें, बफर स्टॉक बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की बाधा को रोकने हेतु समन्वित कार्यवाही करें।

संस्थान ने संभावित आपात स्थितियों से निपटने की तत्परता बढ़ाने के लिए व्यापक मॉक ड्रिल (आपदा अभ्यास) आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में एम्स भोपाल द्वारा जारी आदेशानुसार के तहत चिकित्सा अधीक्षक एवं उप चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया है कि वे सभी महत्वपूर्ण विभागों एवं रोगी सेवा क्षेत्रों में इन अभ्यासों की योजना बनाएं, उनका समन्वयन करें एवं सफलतापूर्वक संचालन सुनिश्चित करें। यह अभ्यास विभिन्न आपातकालीन परिदृश्यों का अनुकरण करेगा ताकि संस्थान की संचालन क्षमता, संसाधनों की त्वरित तैनाती, कार्मिकों का समन्वय एवं प्रणाली की मजबूती का आकलन किया जा सके। सभी विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, नर्सिंग अधिकारियों एवं सहायक सेवाओं को इसमें पूर्ण सहयोग देने एवं सक्रिय भागीदारी करने के निर्देश दिए गए हैं। अभ्यास की योजना, दायरा एवं निष्कर्षों को दस्तावेज रूप में प्रस्तुत कर समीक्षा हेतु साझा करना अनिवार्य होगा।

इसके अतिरिक्त, संस्थान ने अपने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों, रेजिडेंट डॉक्टरों एवं कर्मचारियों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी हैं। यह निर्णय देशव्यापी परिस्थितियों की गंभीरता एवं संस्थान की आवश्यक सेवाओं की अनवरतता को सुनिश्चित करने की दृष्टि से लिया गया है। पहले से स्वीकृत या अवकाश पर चल रहे कर्मचारियों को भी तत्काल कार्य पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं।

एक संबंधित परामर्श में, एम्स भोपाल ने अपने संकाय सदस्यों से स्वयंसेवकों की मांग की है जो आवश्यक होने पर किसी अन्य शहर या आपात स्थल पर चिकित्सा दल के रूप में तैनात किए जा सकें। इच्छुक संकाय सदस्यों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने-अपने विभागाध्यक्षों को नामांकन प्रस्तुत करें। विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे इन नामों को चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय के साथ समन्वय कर अंतिम सूची तैयार करें। इसके साथ ही चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया है कि वह विभाग और पद के अनुसार श्रेणीकृत स्वयंसेवकों की प्राथमिकता सूची तैयार कर उसे तत्काल तैनाती के लिए तैयार रखें।

इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा- राष्ट संकट के समय में हम सभी की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि हम पूरी निष्ठा से देश सेवा में समर्पित रहें। एम्स भोपाल, एक अग्रणी चिकित्सा संस्थान होने के नाते, प्रत्येक नागरिक के जीवन एवं स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु हर संभव प्रयास कर रहा है। हमारी टीम पूरी तरह से तैयार है और इस आपात स्थिति में हम संस्थागत संकल्प, अनुशासन और मानवता की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।

विजयवर्गीय ने कहा समय आने पर अजहर मसूद को भी मार देंगे

इंदौर (नप्र)। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हमें भारतीय सेना पर गर्व है। भारतीय सेना ने घर में घुसकर मारा है और ये घर में घुसकर मारने की भारतीय सेना की जो क्षमता है इसने सारे विश्व को अचंभित कर दिया है। भविष्य में अगर इस तरह की कोई घटना हुई तो यह चेतावनी है बाकी पड़ोसी देशों को कि अब भारत तैयार है। यह भारत न्यू इंडिया नया भारत है.. मोदी जी के नेतृत्व में।सेना और मोदी जी को धन्यवाद देते हुए कहा है कि मुझे वो गाना याद आता है कि दिलबर के लिए दिलदार हैं हम, दुश्मन के लिए तलवार हैं हम। मजूद अजहर के आतंकी हमले में मुझे भी मार देना चहिए था बयान पर मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि वक्त आने पर उसे मार देंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद निकली कांग्रेस की तिरंगा यात्रा

भोपाल (नप्र)। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद एमपी कांग्रेस ने तिरंगा यात्रा निकाली।

जीतू, उमंग, दिग्गी हुए शामिल- रेडक्रॉस हॉस्पिटल के सामने शिवाजी महाराज चौराहे से शौर्य स्मारक तक निकली कांग्रेस की तिरंगा यात्रा में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, संगठन प्रभारी महासचिव संजय कामले, भोपाल शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनोखी पटेल सहित तमाम कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

हाथों में सिर्फ तिरंगा झंडा- कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा था कि तिरंगा यात्रा में केवल तिरंगा झंडा लेकर ही शामिल हों। भारत की सेना पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे रही है। पाकिस्तान को मुंह की खानी होगी। ये राजनीतिक यात्रा नहीं बल्कि सैनिकों के सम्मान में यात्रा है इसलिए पार्टी के झंडे के बजाय राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल हों।

मैहर में बारातियों से भरी गाड़ी पलटी, 7 गंभीर घायल

रीवा (नप्र)। रीवा से मैहर आई बारात शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे बारातियों की गाड़ी अनियंत्रित हो कर पलटने से गाड़ी में बैठे बच्चों सहित सात लोग घायल, मौके पर पहुंची थाना पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कर रही है। मैहर थाना अंतर्गत शुक्रवार की सुबह 8 बजे के आस पास अमरानाला के पास तेज रफ्तार बोलेरा कार एमपी 17 सीसी 0399

अनियंत्रित हो कर पलट गई कार में सवार 7 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंच कर थाना पुलिस ने घायलों को घंटों मशक्कत के बाद गाड़ी से बाहर निकाला एवं 108 एंबुलेंस से घायलों को इलाज के लिए मैहर सिविल अस्पताल भेजा गया जहां इलाज के बाद सभी घायलों को रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायलों को इलाज के लिए मैहर सिविल अस्पताल पहुंचाया।

सीएम ने स्वतंत्रता सेनानी गोखले की जयंती पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महान स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक श्री गोपाल कृष्ण गोखले की जयंती पर नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि श्री गोपाल कृष्ण गोखले जी ने भारतीय जनमानस के हृदय में राष्ट्रभक्ति की पवित्र ज्योत जलाई थी, जिससे ब्रिटिश सरकार के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा और गति मिली। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष की आजादी के लिए समर्पित श्री गोखले जी का व्यक्तित्व सदैव भारतीय नागरिकों में देशभक्ति की ऊर्जा का संचार करेगा।

जनजातीय कला और कलाकारों पर है मां सरस्वती का आशीष : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जनजातीय कला, बोली एवं संस्कृति का प्रशिक्षण देने के लिए खालवा में बनेगा देश का पहला ट्रायबल हॉस्टल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के जनजातीय कला और कलाकारों ने देश-विदेश में अपनी पहचान बनाई है। जनजातीय समृद्ध कला विरासत और इसके कलाकारों को मां सरस्वती का आशीष प्राप्त है। जनजातीय कलाकारों की कल्पनाशीलता प्रशंसनीय है। एक सधे और गढ़े हुए हाथों से बारीक चित्रकारी कर जनजातीय कलाकारों ने पूरी दुनिया को अपना हुनर दिखाया है। हमारी सरकार सभी जनजातीय कलाओं के संरक्षण और कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में 3 दिवसीय राज्य स्तरीय आदि शिल्पग्राम महोत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमारी सरकार विरासत से विकास की ओर बढ़ने के संकल्प के अनुरूप सभी प्राचीन कला, संस्कृति, परंपराओं और इनके कलाकारों को संरक्षण दे रही है। गोंड चित्रकला को जीआई टेग प्राप्त हो चुका है, जो इस चित्रकला और इससे संबंधित चित्रकारों को वैश्विक सम्मान मिलने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सभी प्रकार की जनजातीय शिल्प, चित्रकारी और कलाकारों को उनकी कला प्रदर्शन एवं बाजार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न आयोजनों के जरिए समुचित मंच प्रदान करने का प्रयास कर रही है। हमने केंद्र सरकार के साथ मिलकर प्रदेश के संपूर्ण जनजातीय वर्ग को विकास मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं और विकास कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। इन योजनाओं को जमीन पर उतारने का काम तेजी से प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय पराक्रम, शौर्य और बलिदान के प्रतीक राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह और राजा हृदय शाह के मंडला स्थित प्राचीन किले के जीर्णोद्धार के लिए 15 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय की महान विभूतियों को समुचित सम्मान मिले, इसके लिए राजधानी भोपाल में अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति स्टेशन रखा गया है। क्रांतिसूर्य टंट्या मामा के नाम से खरगौन में विश्वविद्यालय की शुरुआत भी की गई है। रानी दुर्गावती की धरती पर मंत्रि-परिषद की बैठक कर हमने उन्हें सम्मान दिया है।

भारत की तरफ देखने वालों का सत्यानाश होगा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश के सीमा पार से बढ़ती अतिवादी घटनाओं पर सख्ती से अंकुश लगाने के लिए की जा रही प्रतिरक्षा कार्यवाही के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना को बधाई और साधुवाद देते हुए कहा कि हमें अपनी सेना पर पूरा विश्वास है। हमारी सेना मजबूती से राष्ट्र की सीमाओं पर तैनात है। हम एक सामर्थ्यवान देश के नागरिक है, जो हमारी संप्रभुता और नागरिकों पर आघात करेगा, हम बड़ी मजबूती से उसका जवाब देंगे। कार्यक्रम में सीएम ने कहा- पाकिस्तान और उस मुल्क में हमारे देश के लिए दुराग्रह रखने वाले सभी आतंकवादी जो हमारे दुश्मन हैं। उनके लिए जैसा कहा जाता है कि मुद्दई लाख बुरा चाहे तो क्या होता है? पता नहीं कहां से कैसी भावना रखकर और क्या सोचकर कैसी कल्पनाएं कर लेते हैं। जिनके घर में खाने के तो ठिकाने हैं नहीं। उन्होंने जमाने भर का तो कर्जा ले रखा है। हमारी देखा-देखी हथियार भी कहां से नकली उठा लाए। वे चलाते कहां हैं और वे चलते कहां हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने देश को आर्थिक रूप से मजबूती देते हुए तीनों सेनाओं को भी मजबूत और अत्याधुनिक हथियारों से लैस किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीमा पार अतिवाद को प्रतिकूल उत्तर देने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्र सरकार का अभिनंदन किया। उन्होंने दुनिया के सामने अतिवाद का काला चिट्ठा पेश करने वाली मध्यप्रदेश की बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया की तीन पीढ़ियां सेना में रही हैं। वे देश में मध्यप्रदेश की शान बढ़ा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में भगवान बिरसा मुंडा और रानी दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर 3 दिवसीय जनजातीय शिल्प ग्राम महोत्सव का शुभारंभ किया। इससे पहले उन्होंने महोत्सव में जनजातीय कला और खान-पान को प्रदर्शित करते स्टॉल्स का अवलोकन किया और यहां लकड़ियों पर चित्रकारी, मिट्टी से बनी आकृतियां और कपड़ों पर चित्रकारी और जनजातीय व्यंजनों की मुक्तकंठ से सराहना की। महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 1000 जनजातीय शिल्प एवं चित्रकला से जुड़े कलाकार हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जीआई टेग प्राप्त गोंड पेंटिंग के 4 प्रमुख कलाकारों श्री आनंद श्याम, डिंडौरी जिले के श्री वेंकट, श्रीमती रामबाई और श्रीमती धनैया को अथॉराइज्ड यूजर कार्ड वितरित किए। इसी प्रकार जनजातीय कलाकारों श्री कुंवर बैगा, सुश्री अनिस बाई एवं श्रीमती कीर्ति किशन को विशेष प्रशिक्षण किट वितरित की। यह किट राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान भोपाल की ओर से जनजातीय कलाकारों के लिए तैयार की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा स्थित श्री बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय पर केन्द्रित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया।

प्रदेश के जनजातीय अंचलों में जल्द खोले जाएंगे ट्राइबल मार्ट्स

जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि बदलते दौर में जनजातीय कला, संस्कृति और परम्पराओं के विलुप्त होने की आशंका बढ़ती जा रही है। इसीलिए हमारी सरकार जनजातीय महोत्सव, ट्राइबल आर्ट फेयर जैसे आयोजन कर जनजातीय कला-संस्कृति के संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। जनजातीय कलाकारों और उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र ही प्रदेश स्तर पर जनजातीय क्षेत्रों में ट्राइबल मार्ट खोले जाएंगे। प्रारंभ में शहडोल, धार, खण्डवा एवं मंडला में ट्रायबल मार्ट खोले जा रहे हैं। इसके लिए योजना मद में एक-एक करोड़ रूपए व्यय किए जाएंगे। इन ट्रायबल मार्ट्स का संचालन स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कला, संस्कृति, बोली, रहन-सहन, वेशभूषा, वाद्य यंत्र बजाना सीखने का प्रशिक्षण देने के लिए देश का पहला ट्रायबल हॉस्टल खण्डवा जिले के खालवा में स्थापित किए जाने की घोषणा की है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हृदय से आभार भी माना। उन्होंने कहा कि जनजातीय वर्ग के युवाओं और स्कूली छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें, इसके लिए राज्य सरकार ने सालाना बजट में 25 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इसके साथ ही 12वीं पास करने के बाद अगर कोई जनजातीय वर्ग का विद्यार्थी नीट, क्लेट और जेईई जैसी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहता है तो उसे भी प्रतिवर्ष 1.5 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि/सहायता प्रदान की जाएगी।

भोपाल में 250 युवतियों ने ली सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग

तलवार, बंदूक, लाठी चलाना सीखा, बोलीं-इन हालातों में खुद की रक्षा में सक्षम होना जरूरी

भोपाल (नप्र)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत की सेना ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की। भारत ने पाकिस्तान में 7 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई के बाद भारत-पाक के बीच तनावपूर्ण माहौल है। इस बीच भोपाल में मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों की 250 छात्राओं और महिलाओं को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी गई है।

दुर्गा वाहिनी ने आयोजित किया प्रशिक्षण शिविर- भोपाल के शारदा विहार में विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल के अनुषांगिक संगठन दुर्गा वाहिनी की ओर से इस आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। 2 से 9 मई तक चले इस शिविर में छात्राओं ने दैनिक दिनचर्या से लेकर योग, ध्यान, प्राणायाम के साथ ही कराटे, लाठी, तलवार, बंदूक चलाने का प्रशिक्षण दिया गया।

एक प्रशिक्षित बहन, दस बहनों को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग दे- बुधनी की पलक यदुवंशी ने कहा- मैं राइफल की शिक्षिका हूं। इस शिविर में निशानेबाजी, दंड सहित तमाम विधाएं सिखाई गई हैं। हम बहनों को सचेत कर रहे हैं। हर शहर-गांव में सभी बहनें पूर्ण सुरक्षा में सक्षम बनें। एक प्रशिक्षित बहन कम से कम दस घरों की बहनों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए।

अंजली बोलीं- देश में जिस तरह की घटनाएं हो रहीं, हमें आत्मरक्षा में सक्षम होना जरूरी

आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेने वाली भोपाल की अंजलि त्यागी ने कहा- पहले जब मैं इस वर्ग में आई थी। तब मैंने ये नहीं सोचा था कि इतनी विधाएं सीखने को मिलेंगी। दिनचर्या में हमें सफाई का पालन करना सिखाया गया। सुबह प्रार्थना, सांध्यकालीन आराधना सीखी।

अंजली त्यागी ने कहा- दुर्गा वाहिनी लव जिहाद जैसे मुद्दों पर काम करती है। जो विधर्मी हिन्दू नाम लेकर घूमते हैं और हिन्दू समाज की बहन बेटियों को बहला-फुसला कर अपने गलत कृत्यों में शामिल कर लेते हैं। हम लोग बहनों को संपर्क और प्रवास के दौरान समझाती हैं। एक पूरा ग्रुप बनाकर बहनों को समझाएंगे। नाम बदलकर सोशल मीडिया के जरिए हिन्दू बेटियों को भ्रमजाल में फंसाने वालों को पहचानने की जरूरत है।

मंदसौर में बुजुर्ग ने लगाई फांसी, मौत

सुसाइड नोट में बेटे पर परेशान करने का आरोप लिखा- शिकायत के बाद भी नहीं की कार्रवाई

मंदसौर (नप्र)। मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र के लदुना में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शव के यहां से सुसाइड नोट मिला है। व्यक्ति ने बेटे की वजह से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात लिखी है। साथ ही पुलिस पर शिकायत के बाद कार्रवाई न करने का भी आरोप है। घटना गुरुवार रात की है। मृतक रमेश चंद्र माली का शव उनके कमरे में फांसी पर झूलते मिला। पुलिस ने मर्ग कायम कर शुक्रवार को शव पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद परिजनों ने मृतक का शव लदुना चौराहे पर रखकर चक्का जाम किया, सूचना मिलने के बाद एसडीओपी दिनेश प्रजापति मौके पर पहुंचे थे उन्होंने परिजनों को समझाइश देकर चक्का जाम खुलवाया।

सुसाइड नोट में लिखा- बेटे से परेशान हूं- आत्महत्या से पहले 8 मई की रात सुसाइड नोट लिखा था जिसमें जिक्र किया कि वह अपने पुत्र अर्जुन माली से काफी ज्यादा परेशान है। बेटे के खिलाफ कई बार सीतामऊ थाने में शिकायत दर्ज करवाई लेकिन पुलिस ने खास ध्यान नहीं दिया, रमेश चंद्र माली ने सुसाइड नोट में यह भी लिखा कि उनके साथ कोई हादसा होता है तो इसकी संपूर्ण जवाबदारी सीतामऊ थाना प्रभारी मोहन मालवीय की रहेगी। इस संबंध में सीतामऊ टीआई मोहन मालवीय से मीडिया ने संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन नहीं उठा।

वहीं इस मामले में एसपी अभिषेक आनंद ने कहा कि फांसी लगाने से रमेश चंद्र माली की मृत्यु हुई है। मृतक द्वारा थाने में अपेक्षित कार्यवाही न करने की शिकायत सामने आई है लेकिन उनका पुत्र अर्जुन माली पहले से ही गुंडा सूची में शामिल है। उसके ऊपर कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जांच के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

हाईकोर्ट ने नर्सिंग काउंसिल को लगाई फटकार

सचिव, रजिस्ट्रार, चेयरमैन को किया तलब, कहा-तीन बार आदेश दिए फिर भी रिकॉर्ड नहीं सौंपा

जबलपुर (नप्र)। मप्र में नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता में हुए फर्जीवाड़े को लेकर शुक्रवार को हाईकोर्ट में एक बार फिर सुनवाई हुई। कोर्ट ने इंडियन नर्सिंग काउंसिल की सचिव और एमपी नर्सिंग काउंसिल के रजिस्ट्रार व चेयरमैन को तलब करते हुए पूछा कि अब तक मान्यता से संबंधित दस्तावेज क्यों नहीं सौंपे गए। तीन बार आदेश के बावजूद रिकॉर्ड पेश न करने पर कोर्ट ने अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी दी है।

हाईकोर्ट की स्पेशल बेंच के जस्टिस संजय द्विवेदी और जस्टिस अचल पालीवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि आदेशों की अनदेखी करना न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप है। अदालत ने जिम्मेदार अधिकारियों से पूछा है कि आखिर उन्होंने रिकॉर्ड क्यों छिपाए और कोर्ट के आदेश का पालन क्यों नहीं किया?

जनहित याचिका लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की ओर से दाखिल की गई थी, जिसमें प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में मान्यता को लेकर बड़े स्तर पर फर्जीवाड़े का आरोप है। याचिका में यह भी बताया गया कि हाईकोर्ट द्वारा गठित उच्च स्तरीय कमेटी ने बिना पारदर्शी प्रक्रिया अपनाए 30 अपात्र कॉलेजों के छात्रों को ट्रांसफर कर दिया।

31 मई तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

कोर्ट ने कमेटी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रों को मनपसंद कॉलेज चुनने का अवसर दिए बिना ट्रांसफर आदेश जारी कर दिए गए। हाईकोर्ट ने कमेटी के नोडल अधिकारी की भूमिका पर भी संदेह जताया और कहा कि उन्होंने सभी तथ्य सामने नहीं रखे।

कोर्ट ने निर्देश दिए कि सभी अपात्र कॉलेजों के छात्रों का पारदर्शी तरीके से ट्रांसफर किया जाए और छात्रों को विकल्प चुनने का अधिकार दिया जाए। साथ ही नोडल अधिकारी को इस प्रक्रिया से दूर रखा जाए। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि कमेटी का कार्य समाप्त हो चुका है और उसे 31 मई तक अपनी अंतिम रिपोर्ट हाईकोर्ट में सौंपनी होगी।

भोपाल-इंदौर में आंधी चली

पूरे एमपी में आज बदला रहेगा मौसम

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 3 दिन यानी, 12 मई तक आंधी, बारिश और गरज-चमक का दौर रहेगा। इनमें से 2 दिन तो पूरे प्रदेश में ही मौसम बदला रहेगा। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर-ग्वालियर में तेज आंधी चली।

आईएमडी (मौसम विभाग), भोपाल के अनुसार, शुक्रवार को प्रदेश के सभी जिलों में तेज आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट है।

इधर, खरगोन जिले में बेमौसम बारिश और आंधी से किसानों की तैयार आम, केला व पपीता की फसलों को नुकसान पहुंचा है। नर्मदा पट्टी के कसरावद और महेश्वर क्षेत्र में केले की फसल को सबसे अधिक नुकसान हुआ है, जहां 30 प्रतिशत फसलें प्रभावित हुई है।

किसान करण सिंह पटेल ने बताया कि क्षेत्र में पिछले 2-3 दिनों से चल रही हवा आंधी से केले के पौधे गिर गए हैं। उन्होंने बताया कि फसल तैयार करने में काफी लागत आई थी, लेकिन अभी तक सरकारी सर्वे शुरू नहीं हुआ है।

वहीं हवा-आंधी से पेड़ों पर लगे आम भी पकने से पहले ही गिर रहे है। खरगोन कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. आरके सिंह ने बताया कि बारिश से फसलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन आंधी से पपीता, केला और आम की फसलें प्रभावित हुई हैं।

15 जिलों में बदला रहा मौसम- इससे पहले इंदौर, ग्वालियर के साथ बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, श्योपुर, धार, उज्जैन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, नीमच, मंदसौर, मुरैना और शिवपुरी जिलों में गुरुवार को मौसम बदला रहा। यहां बारिश, आकाशीय बिजली चमकने और तेज आंधी का दौर रहा। राजधानी भोपाल में सुबह से ही बादल छाए रहे। शाम को धूप खिली। धार में करीब 1 इंच पानी गिर गया। वहीं, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, शिवपुरी, मंडला और सिवनी में भी हल्की बारिश हुई।

बारिश के चलते कई शहरों में दिन का तापमान लुढ़क गया। भोपाल में दिनभर बादल रहे। शाम को धूप खिली। यहां पारा 31.7 डिग्री दर्ज किया गया। इंदौर में 30.8 डिग्री, ग्वालियर में 35.4 डिग्री, उज्जैन में 30.4 डिग्री और जबलपुर में 35.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। धार में 31.5 डिग्री, शाजापुर में 31.7 डिग्री, खंडवा में 32.1 डिग्री, रतलाम में 32.2 डिग्री, बैतूल में 32.4 डिग्री और नर्मदापुरम में पारा 32.5 डिग्री रहा। गुरुवार को एक भी शहर में तापमान 40 डिग्री या इससे पार नहीं पहुंचा। नरसिंहपुर में सबसे ज्यादा 39.4 डिग्री दर्ज किया गया।

चार सिस्टम से बदला मौसम- सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस, टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से प्रदेश में मौसम बदला हुआ है। गुरुवार को कई जिलों में मौसम बदला रहा। 12 मई तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बने रहने का अनुमान है।

जबलपुर गन कैरिज फैक्ट्री में सारंग, धनुष तोप सहित एलएफजी को तेजी से बनाने का काम जारी

जबलपुर (नप्र)। आयुध क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी और पुरानी गन कैरिज फैक्ट्री (जीसीएफ) या आयुध निर्माणी ने भारतीय सेना की ताकत सारंग और धनुष तोप के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए इनके उत्पादन में तेजी ला दी है। जीसीएफ करीब आठ साल के लंबे इंतजार के बाद अब फिर से लाइट फील्ड गन (एलएफजी) का उत्पादन भी कर रही है।

जीसीएफ के पास इस वर्ष करीब 2300 करोड़ रुपये के आयुध उत्पादन का लक्ष्य है। इसमें टैंक टी-70 और टी-92 का निर्माण भी शामिल है। इसके अलावा सैन्य उपयोगी सारी प्रमुख गन के कलपुर्जे भी जीसीएफ बना रही है। फिलहाल सारंग, धनुष तोप सहित अन्य हथियारों के उत्पादन और आपूर्ति तय समय से पूर्व करने पर जोर दिया जा रहा है।

सैन्य सामान की यहीं से होती है आपूर्ति- जीसीएफ वर्ष 2010 के बाद से ही सारंग तोप, धनुष तोप और एलएफजी का उत्पादन करती रही है। विभिन्न सैन्य साजो-सामान के कलपुर्जे की आपूर्ति भी यहीं से होती रही है। भारतीय सेना की ताकत धनुष तोप आधुनिक दौर में और भी उन्नत व महत्वपूर्ण हो चली है। यह बोफोर्स का अपग्रेड वर्जन भी है।

इसकी तकनीक को जीसीएफ ने उन्नत किया और इसे स्वदेशी तकनीक के आधार पर विकसित किया गया। इसी तरह, हल्की होने के कारण एलएफजी का परिवहन हमेशा से आसान रहा है। बता दें, जीसीएफ की शुरुआत वर्ष 1904 में अंग्रेजों ने की थी। यह भारतीय सेना, सशस्त्र बलों की आयुध संबंधी जरूरतों को पूरा करती है।

इन हथियारों में यह है खास- धनुष तोप : धनुष तोप 40 से 42 किमी तक दूर स्थित निशाने को सटीक तरीके से भेद सकती है। पहाड़ियों पर या आमने-सामने के युद्ध में यह सेना की बड़ी ताकत है।

सारंग तोप- पहले जहां इसकी क्षमता 28 किमी दूर तक मार करने की थी। अब इसे बढ़ाकर 32 किमी तक कर लिया गया है।